मेवात स्व एतस्य

नई दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, एनसीआर, नूंह से प्रकाशित

संपादक अभयसिंह सैनी

9992904845,8059956005

नूंह, शनिवार 04 जनवरी 2025

आर एन आई नंबर : HARBIL/2022/87426

mewatnewsexpress11@gmail.com

से हर ओर फैली सनसनी

ऐक्शन में आया भारत,स्वास्थ्य मंत्रालय कर रहा है जांच

वायरस ने दस्तक दी है जिसे लेकर लोगों में चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। कोरोना वायरस के बाद चीन में वायरस के मामले सामने आए हैं। खबरों में दावा किया जा रहा है कि चीन के अस्पताल इस वायरस

से ग्रसित मरीजों से भरे हुए हैं। अब भारत ने भी इस मामले पर कोताही ना बरतते हुए संज्ञान लिया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र) देश में सांस संबंधी

लक्षणों और इन्फ्लूएंजा के मामलों की बारीकी से निगरानी कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया है कि स्थिति पर जल्द ही अपडेट दिया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया,हम स्थिति की बारीकी से

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में एक और निगरानी कर रहे हैं। हम खबरों की जांच करेंगे और इसके हिसाब से अपडेट करेंगे। वहीं सूत्रों ने वायरस से जुड़ी एक एजेंसी से मिले अपडेट के बाद कहा, 16-22 दिसंबर के डेटा से पता चलता है कि चीन में मौसमी इन्फ्लूएंजा, राइनोवायरस, रेस्पिरेटरी

> सिंसिटियल वायरस और मेटान्यूमोवायरस ह्यमन सहित तीव्र सांस से जुड़े संक्रमणों में वृद्धि हुई है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के मामलों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। मामले पर बातचीत करते हुए डॉ. डैंग्स लैब के सीईओ डॉ. अर्जुन डैंग ने कहा है कि

चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए निगरानी बढ़ाने और शुरुआती लक्षण पहचानने की जरूरत है। डॉ अर्जुन डैंग ने कहा, वायरस का फिर से उभरना सांस से जुड़े वायरस द्वारा उत्पन्न चुनौतियों को दर्शाता है।

महाकुंभके पहले 10 जनवरीको आएंगी राष्ट्रपति

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में महाकुंभ के पहले देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन हो रहा है। अफसर तैयारियों में जुट गए हैं। वह यहां करी 3 घंटे रहेंगी। वह यहां गंगा कर महाकुंभ



औपचारिक शुरुआत करेंगी। इसके अलावा वह प्रयागराज एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का लोकार्पण भी कर सकती हैं जिसका ग्राउंड फ्लोर लगभग बनकर तैयार है लेकिन अभी इसकी आधिकारिक पृष्टि नहीं की गई है। वहीं, राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए योगी आदित्यनाथ कल शनिवार को प्रयागराज आ रहे हैं।

सभी 28 दोषियों को उम्रकैद एनआईए कोर्ट ने सुनाई सजा

• कासगंज के चंदन गुप्ता हत्याकांड में आ गया फैसला

के मौके पर 2018 में तिरंगा यात्रा के दौरान चंदन गुप्ता उर्फ अभिषेक गुप्ता की गोली मारकर हत्या के मामले में सभी 28 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। एनआईए की विशेष अदालत के जज

विवेकानंद सरन त्रिपाठी ने एक दिन पहले गुरुवार को ही सभी 28 आरोपियों को घटना का दोषी करार दिया था। उम्रकैद की सजा के साथ-साथ भारी जुर्माना लगाया गया है।

सभी को हत्या के लिए उम्रकैद के साथ ही तिरंगा के अपमान में तीन-तीन साल

की सजा दी गई है। मुख्य आरोपी सलीम और छह नाजायज मजमा, ईट पत्थर से चोट पहुंचाना, अन्य को आर्म्स एक्ट में भी सजा सुनाई गई है। जेल से लॉकअप गाड़ी ना आने की वजह से सभी दोषियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुना गया। गुरुवार को दोषी ठहराए गए और गैरहाँजर एक

लखनऊ (एजेंसी)। कासगंज में गणतंत्र दिवस आरोपी सलीम ने सुबह अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है। आरोपी असीम कुरैशी, नसरुद्दीन को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया था। सजा सुनाए जाने के दौरान 26 आरोपी व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित थे। आरोपी मुनाजिर रफी कासगंज जेल से

> वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुआ। वह एक अन्य मुकदमे में इस वक्त कासगंज जेल में बंद है। मुख्य आरोपी सलीम गैरहाजिर रहा। खिलाफ उसके

गैरजमानती वारंट जारी किया गया था। सभी आरोपियों पर बलवा,

जानलेवा हमले, हत्या, गाली गलौज, जान माल की धमकी,देशद्रोह-ध्वज अपमान निवारण अधिनियम के आरोप तय कर विचारण किया गया है। कुल 12 गवाह पेश किए गए।

बिना नक्शा पास कराएमकानबनाने परधिरेबर्क

संभल (एजेंसी)। संभल सपा सासंद जिया उर्रहमान बर्क की एक बार फिर मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल इस बार उन्हें एसडीएम की तरफ से तीसरा नोटिस जारी किया गया है। एसडीएम संभल वंदना मिश्रा ने

जारी नोटिस कर कहा है कि बर्क ने बिना नक्शा पास कराए मका न बनवाया है।

तय होगी।

यह संबंध में तीसरा नोटिस है। जब बर्क को पहला नोटिस जारी किया गया था तो उन्होंने समय मांगा। दूसरी बार में नोटिस के जवाब में इन्होंने आपत्ति प्रस्तुत की। उस आपत्ति के समर्थन में सबत पेश करने के लिए इन्हें तीसरा नोटिस जारी किया गया है। इस साक्ष्य के बाद आगे की कार्रवाई

सौरभ शर्मा केस में अब आया नरोत्तम मिश्रा का नाम !

उन्हीं की सिफारिश पर मिली थी नौकरी, हुई थी पहली पोस्टिंग

भोपाल। मध्य प्रदेश के धनकुबेर सौरभ शर्मा को लेकर हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। शुक्रवार को एक आरटीआई एक्टिवस्ट ने इस मामले में बड़ा खुलासा किया है। आरटीआई एक्टिवस्ट संकेत साहू ने किया एक लेटर जारी किया है। इस लेटर में इस बात का खुलासा किया गया है कि 2016 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा के लेटर हैड पर सौरभ शर्मा की अनुकंपा नियुक्ति के लिए अनुशंसा की गई थी। संकेत साहू ने इसे लेकर लोकायुक्त से शिकायत की । आरटीआई एक्टिविस्ट साह् ने दावा किया है कि तत्कालीन मंत्री ने 12 अप्रैल, 2016 को यह लेटर लिखा था। इसमें लिखा है कि सौरभ शर्मा पुत्र स्व. राकेश कुमार शर्मा निवासी ४७ विनय नगर सेक्टर-२ ग्वालियर के पिता का डॉ. राकेश शर्मा जो कि डीआरपी लाइन चिकित्सालय में पदस्थ थे। जिनका 20 नवंबर 2015 को सेवा के दौरान निधन हो गया। जिले में तृतीय श्रेणी के किसी भी पद पर या संगणक रिक्त पद पर



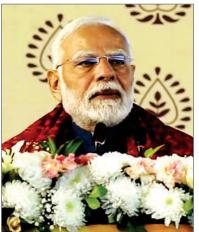
योग्यता अनुसार अनुकंपा नियुक्ति दी जाए। इसके बाद सौरभ शर्मों की पहली नियुक्ति नरोत्तम मिश्रा के विधानसभा क्षेत्र में ही हुई थी। सौरभ शर्मा की नियुक्ति नरोत्तम मिश्रा के विधानसभा क्षेत्र दितया के सिकंदरा और चिरौला चेक पोस्ट से हुई थी। यहां बड़ी मात्रा में अवैध वसूली के भी मामले सामने आ चुके हैं। आरटीआई एक्टिवस्ट संकेत साहू ने बताया कि उनके द्वारा निकाली गई जानकारी में कई खुलासे हुए हैं, जिसमें बताया गया है कि तत्कालीन सीएमएचओ द्वारा सौरभ शर्मा के पिता की मृत्यु के बाद जब फर्जी एफिडेविट के आधार पर स्वास्थ्य विभाग में नौकरी की बात सामने आई तो सीएमएचओ द्वारा लिखकर दिया गया कि अभी कोई पद ही खाली नहीं है। इसके बाद नरोत्तम मिश्रा के द्वारा अनुशंसा का पत्र परिवहन विभाग को भेजा गया था।बाद में सौरभ शर्मा की नियुक्ति की गई। नरोत्तम मिश्रा उस समय शिवराज सिंह चौहान की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे।

कट्टर बेईमान, शीशमहल और आपदा सरकार

ं पीएम मोदी ने आम आदमी पार्टी पर इस तरह कसा तंज ● दिल्ली में 4500 करोड़ की परियोजनाओं की दी सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्लीवासियों को 4,500 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने 'हाउसिंग फॉर ऑल' के संकल्प के तहत दिल्ली के अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में इन-सीट्ट स्लम पुनर्वास परियोजना के तहत झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को फ्लैट का चाबियां सौंपी। इस दौरान पीएम ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। पीएम

मोदी ने कहा, ये साल को भारत का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का वर्ष होगा। 2025 में हमारी भूमिका सशक्त होगी। हम तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। आज जिन योजनाओं को शिलान्यास और उद्घाटन हुआ है, उसमें गरीबों के लिए घर हैं। मैं सभी भाइयों, बहनों, माताओं को बधाई देता हूं। उन्हें झुग्गी बस्ती की जगह अपना घर होगा। जिन्हें ये घर मिले हैं स्वाभिमान और आत्मसम्मान का घर है। आपकी खुशी का उत्सव का हिस्सा बनने ही आया हूं। अशोक विहार के रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज जब मैं यहां आया हं, तो कई



पुरानी यादें याद आना स्वाभाविक है। जब देश इंदिरा गांधी की तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा था, तो मेरे जैसे कई लोग जो भूमिगत आंदोलन का हिस्सा थे, उनके लिए अशोक विहार एक रहने की जगह हुआ करती थी। पीएम मोदी ने बिना नाम लिए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मैंने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया। मैं भी शीशमहल बना सकता था लेकिन मोदी का सपना है कि हर गरीब को घर मिले। लेकिन मेरे लिए तो मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले यही सपना था। आप जब लोगों के बीच

वालों से वादा करके आना, मेरे लिए आप ही मोदी हैं। आज नहीं तो कल उन्हें पक्का घर मिलेगा। इन घरों में वो सुविधाएं हैं जो गरीब परिवारों को चाहिए। हम यहीं रुकने वाले नहीं हैं। दिल्ली में ऐसे 3000 और घरों का निर्माण कार्य पुरा होने वाला है। पीएम मोदी ने दिल्ली की आप सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, शिक्षा पर एक तरफ केंद्र सरकार की पहल है, वहीं, इस राज्य सरकार का कोरा झूठ भी है। राज्य सरकार ने यहां की स्कूली शिक्षा को बहत नकसान पहुंचाया है। हालत ये है कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत भारत सरकार ने जो पैसे दिए, ये दिल्ली में ऐसी सरकार बैठी है जो भविष्य की परवाह नहीं करती।



भाजपा ने स्टालिन सरकार के खिलाफ निकाली न्याय यात्रा

मोर्चा को अध्यक्ष उमराथी राजन, भाजपा विधायक डॉ. सी. सरस्वती, खुशबू सुंदर और कई महिला सदस्यों को हिरासत में लिया गया। चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग स्टूडेंट के रेप केस को लेकर भाजपा ने मदुरै से चेन्नई तक न्याय यात्रा सरकार अपने विरोधियों को चुप कराने के

पहुंचने पर पुलिस ने रैली को रोक दिया और प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की सदस्यों को हिरासत में ले लिया। भाजपा महिला नेताओं ने कहा कि वे पीडित

के लिए न्याय की मांग कर शांतिपूर्ण तरीके से रैली निकाल रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और कई महिला नेताओं को घर में नजरबंद भी किया। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बी.एल. संतोष ने डीएमके सरकार की आलोचना की। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने एक्स पर नजरबंद की गई

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु महिला महिला नेताओं की फोटो अपलोड कीं। अन्नामलाई ने कहा कि तमिलनाडु की डीएमके सरकार में हिस्ट्रीशीटर और रेपिस्ट खुलेआम घूम रहे हैं लेकिन न्याय की मांग करने वाली भाजपा नेताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने लिखा-डीएमके

> कर रही रही है। लेकिन भाजपा कार्यकर्ता उत्पीडन सहकर भी तमिलनाडु के लोगों के लिए मामला क्या है

23 दिसंबर की रात 8 बजे अन्ना यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग की सेकेंड ईयर स्टुडेंट के साथ रेप हुआ था। यूनिवर्सिटी कैंपस के पास ही राजभवन और आईआईटी मद्रास है, जो हाई-सिक्योरिटी जोन में आता है। पुलिस ने कैंपस में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की और आरोपी ज्ञानशेंखरन को गिरफ्तार किया।



• मुख्यमंत्री बोले-चलाया गया ६ माह का विशेष अभियान • प्रदेश में राजस्व नक्शा बनाने का कार्य भी हो गया शुरू

कहा है कि प्रदेश में 6 माह का विशेष अभियान चलाकर 792 वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने की अधिसूचना संबंधित कलेक्टर्स द्वारा जारी कर दी गई है। इसमें बैतूल जिले के 91, डिंडौरी के 86, मंडला के 75, खरगौन के 65, बड़वानी के 64, खंडवा के 51, सीहोर के 49, छिंदवाड़ा के 48, बालाघाट के 46, हरदा के 42, बुरहानपुर के 37, सिवनी के 28, नर्मदापुरम के 24, भोपाल के 14, धार के 13, देवास के 12, सिंगरौली के 11, नरसिंहपुर के 10, रायसेन के 7, टीकमगढ़ एवं जबलपुर के 5-5, सागर के 4, विदिशा, राजगढ़, इंदौर, कटनी और गुना के 1-1 गांव शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कुल 827 वन ग्राम बचे थे। इनमें से 792 को राजस्व ग्राम में परिवर्तित किया जा चुका है। शेष 35 वन ग्रामों के वीरान/विस्थापित होने अथवा डूब क्षेत्र में होने

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने से परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं रही। इस प्रकार विस्थापित होने वाले गांव को छोडकर प्रदेश के सभी वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित कर दिया गया है। इन 792 ग्रामों के राजस्व नक्शा बनाने का कार्य



राजस्व विभाग द्वारा शुरू कर दिया है। भू-अभिलेख और नक्शा पूरे हो जाने से अब ग्रामवासियों को बड़ी सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन ग्राम के राजस्व ग्राम में परिवर्तित हो जाने से ग्रामवासियों को अनेक सुविधाएं मिलेंगी।

प्रदेश में वन्य-जीव पर्यटन अभियान की शुरूआत आज से

भोपाल । मख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन्य जीव पर्यटॅन की दिशा में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण कदम उटा रहा है।शनिवार 4 जनवरी से वन्य-जीव पर्यटन को एक नया आयाम मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चंबल अभयारण्य का भ्रमण कर चंबल नदी के घडियाल अभयारण्य की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर पर्यटन सुविधाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाँ कि प्रकृति ने मध्यप्रदेश कोँ कई वरदान दिए हैं। सघन वन, वृक्षों की विविधता के साथ ही वन्य-प्राणियों की भी विविधता मध्यप्रदेश में देखने को मिलती है। वनों और वन्य-प्राणियों से मध्यप्रदेश की एक अलग पहचान बनी है। मध्यप्रदेश बाघ, तेंदुआ और घड़ियाल जैसे प्राणियों की सर्वाधिक संख्या वाला प्रदेश है। चीता पुनर्स्थापन करने वाला मध्यप्रदेश एक मात्र प्रदेश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में ही नहीं पूरे विश्व में सर्वाधिक घडियाल चंबल नदी में

सीरिया में इजरायली कमांडो ने मचाई तबाही

एयर डिफेंस हुआ फेल,ईरानी मिसाइल फैक्ट्री बर्बाद इजरायल के सीक्रेट मिशन को लेकर बड़ा खुलासा

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल की सेना ने सीरिया में एक सीक्रेट सेना के चर्चित शालडाग यूनिट ने मात्र 3 घंटे में पूरा मिशन अंजाम कि सीरिया में बशर अल असद की सरकार रहने के दौरान उनके 120

कमांडो ने वहां जमकर तबाही मचाई थी। इजरायली कमांडो ने सीरिया में ईरान के सहयोग से जमीन के नीचे चलाए जा रहे मिसाइल फैक्ट्री को तबाह कर दिया। यह पूरा इजरायली सेना का मिशन 8 सितंबर 2024 को अंजाम दिया गया था लेकिन अब

इसे सार्वजनिक किया गया है। इस सीक्रेट मिशन को ऑपरेशन मेनी वेज नाम दिया गया था। इजरायल ने कहा है कि यह ईरानी फैक्ट्री मसयफ इलाके में जमीन के काफी नीचे कई परतों में बनी हुई थी। इसे इजरायली

मिशन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। इजरायल की सेना ने बताया दिया। इजरायली सेना ने बताया कि यहां से किलर मिसाइलें बनाकर उसे लेबनान में हिज्बुल्लाह और असद की सेना को भेजा जाता था। सबसे

अहम बात यह रही कि इजरायली कमांडो 200 किमी तक अंदर घुसे और सीरिया के एयर डिफेंस सिस्टम उसे रोकने में नाकाम रहे। इस पूरे अभियान में इजरायली सेना को कोई भी नुकसान नहीं पहुंचा। इजरायल ने बताया कि इस मिसाइल फैक्ट्री का निर्माण ईरान ने

साल 2017 में शुरू किया था। इससे पहले इजरायल ने एक हवाई हमला करके ईरान के रॉकेट बनाने वाले कारखाने को तबाह कर दिया था। इसके बाद ईरान ने पहाड़ के नीचे यह नई फैक्ट्री लगाई।

पीथमपुरमें प्रदर्शनकर रहेलोगों पर पुलिस ने भांजी लाठी

भोपाल। पीथमपुर में भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के जहरीले कचरे को नष्ट करने का विरोध कर रहे लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल कर उन्हें खदेड़ा। दरअसल, प्रदर्शनकारियों ने पीथमपुर के गुडलक चौराहे पर चक्काजाम कर दिया है। जिससे हाईवे पर करीब 7 किलोमीटर तक वाहन फंसे हैं। इससे पहले पीथमपूर में ही एक अन्य जगह पर प्रदर्शन के दौरान राजकुमार रघुवंशी नाम के युवक ने आत्मदाह की कोशिश की।

कश्मीर का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर पड़ा होगाः गृहमंत्री

अमित शाह बोले-शासकों को ख़ुश करने के लिए लिखे गए इतिहास को

मुक्त करने का वक्त आ गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह इतिहास पुस्तकों के जरिए बताने मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली में जम्मू-कश्मीर एंड लद्दाख थ्रू द एजेस पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में कहा, हम जानते हैं कि कश्मीर को कश्यप की भूमि के नाम से जाना जाता है, शायद हो सकता है कि उनके नाम

की कोशिश की।

मेरी इतिहासकारों से अपील है कि प्रमाण के आधार पर इतिहास लिखें। उन्होंने कहा,150 साल का एक दौर था, जब इतिहास का मतलब दिल्ली दरीबा से बल्ली मारान तक और लुटियन से से कश्मीर का नाम पड़ा हो। जिमखाना तक था। इतिहास यहीं इतिहासकारों ने कश्मीर का तक सीमित था।



पौष माह में

भगवान शिव को

क्या-क्या चढाएं?

हिंदू धर्म में पौष माह को महत्वपूर्ण

माना जाता है। इस दिन भगवान

शिव की पूजा-अर्चना करने के

साथ-साथ उन्हें कुछ चीजें चढ़ाने

का भी विधान है। आइए इस लेख

में विस्तार से जानते हैं कि भगवान

शिव को क्या-क्या चढ़ाने से उत्तम

पंचागं के हिसाब से पौष माह के दौरान

सूर्यदेव की उपासना के साथ-साथ भगवान

विष्णु की पूजा-अर्चना करने का भी विधान

है। बता दें, पौष माह की पूर्णिमा को चंद्रमा

जिस नक्षत्र में रहता है, उसी महीने का नाम

भी उसी नक्षत्र पर रखा गया है। इसलिए पौष

नामक सूर्यदेव साक्षात परब्रहम के स्वरूप में

यश, ज्ञान और वैराग्य को भग कहा गया है।

अब ऐसे में इस माह भगवान शिव की पूजा

शिवलिंग पर अक्षत चढ़ाने से धन की प्राप्ति

रूप से अक्षत चढ़ाने से घर में धन की वर्षा

होती है। अखंड चावल अखंडता, पूर्णता और

समृद्धि का प्रतीक है। शिवलिंग पर अखंड

चावल चढ़ाने से जीवन में सुख-शांति और

समृद्धि आती है। अक्षत चढ़ाने से व्यक्ति को

महत्वपूर्ण माना जाता है। अगर आपको कोई

मनोकामना है, तो इस दिन अपनी इच्छा को

इससे व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी हो सकती

बोलकर भगवान शिव को अर्पित कर दें।

ह आर साभाग्य का प्राप्त हा सकता है।

शमी का पेड़ शनि देव से भी जुड़ा हुआ है।

ऐसी मान्यता है कि शमी के पत्ते चढ़ाने से

शनि देव प्रसन्न होते हैं और शनि दोष से

मुक्ति मिलती है। चूंकि शनि देव भगवान शिव

के अनुयायी हैं, इसलिए शमी के पत्ते चढ़ाने

से दोनों देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है और

पुराण के अनुसार, शमी के पत्तों को शिव पूजा में शामिल करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न

होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण

करते हैं। शमी के पत्ते चढ़ाते समय ऊँ नमः

शिवाय मंत्र का जाप करें।

सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढता है। शिव

शिवलिंग पर शमी के पत्ते चढाने से

भगवान शिव को

चढाएं शमी के पत्ते

मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती हैं।

भगवान शिव को चढ़ाएं धतूरे

भगवान शिव को धतुरे चढाना बेहज

होती है। ऐसा माना जाता है कि नियमित

भगवान शिव को चढ़ाएं अक्षत

करने का विधान है।

माह की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र के

नाम से जाना जाता है। पौष माह में भग

माने जाते हैं। इसलिए शास्त्रों में इसे धर्म

परिणाम मिल सकते हैं।





मां लक्ष्मी को केले के पत्ते पर भोग लगाने

हिंदू धर्म में भोग लगाना एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। इसे प्रसाद भगवान को भोजन अर्पित करते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान को प्रसाद चढ़ाने से वे प्रसन्न होते हैं और भक्तों की प्रति आभार व्यक्त करते हैं। वे मानते हैं कि जो कुछ भी उनके पास है, वह भगवान की कृपा से ही है। भोग लगाने से भक्तों को होता है। इतना ही नहीं, भोग लगाने के साथ-साथ देवी-देवताओं

केले के पत्ते का धार्मिक महत्व क्या है?

केले के पत्ते को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है और इसका उपयोग विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है। इसे पूजा में अत्यधिक महत्व दिया जाता है। केले के पत्ते को शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इसे देवताओं को अर्पित किया जाने वाला भोजन परोसने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। केले का पेड़ प्रकृति से जुड़ा हुआ माना जाता है। यह फल और छाया दोनों प्रदान करता है। इसलिए, केले के पत्ते को केले का पेड़ बहुत प्रिय माना जाता है। इसलिए, विष्णु जी से जुड़े सभी अनुष्ठानों में केले के पत्ते का उपयोग किया जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, केले के पत्ते वास्तु दोष को दूर करने में भी सहायक होते हैं। इन्हें घर के मुख्य द्वार पर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

मां लक्ष्मी को केले के पत्ते में भोग लगाने की मान्यता

मां लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है। केले का पेड भी केले के पत्ते पर भोग जरूर लगाएं।



का क्या है महत्व

चढाना भी कहा जाता है। यह भक्ति का एक रूप है जिसमें भक्त मनोकामनाएं पूरी करते हैं। भक्त भोग के माध्यम से भगवान के पवित्रता का बोध होता है। भगवान के लिए बनाया गया भोजन पवित्र को किस पात्र में लगाना उत्तम फलदायी माना जाता है। अब ऐसे में माता लक्ष्मी को केले के पत्ते में भोग लगाने का महत्व क्या है।

प्रकृति की पूजा से भी जोड़ा जाता है। हिंदू धर्म में, विष्णु जी को

समृद्धि का प्रतीक है। इसलिए, केले के पत्ते में भोग लगाने से मां ुलक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन–धान्य की वृद्धि होती है। इतना ही नहीं, केले के पत्ते का संबंध भगवान विष्णु से भी है और मां लक्ष्मी उनकी अर्धांगिनी हैं। इसलिए मां लक्ष्मी को केले के पत्ते पर भोग लगाने से व्यक्ति को शूभ फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही भगवान विष्णु की कृपा भी बनी रहती है। इसलिए



हम सभी अलग-अलग तरीकों से ईश्वर के प्रति सम्मान दिखाते हैं, इनमें से ही एक तरीका है पूजा के समय भगवान को फूल या मालाएं अर्पित करना। कई बार ऐसा होता है कि फूल अर्पित करते ही नीचे गिर जाते हैं, जानें इसके कारण।

राशि और ग्रहों की स्थिति का प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में ग्रहों की स्थिति या वर्तमान ग्रह दशा अंशुभ होती है, तो ऐसे संकेत मिलना सामान्य माना जाता है। इसका संकेत यह हो सकता है कि ग्रहों की नकारात्मक ऊर्जा आपके जीवन पर प्रभाव डाल रही है, और इनका संतुलन सुधारने के लिए उपाय किए जाने चाहिए। इस तरह के संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे अपनी कुंडली के ग्रहों को मजबूत करने और उनकी शुभतां प्राप्त करने का अवसर मानना चाहिए। ज्योतिषीय उपाय, जैसे विशेष मंत्रों का जाप, दान-पुण्य या पूजा-पाट, ग्रहों के प्रभाव को सुधारने में सहायक हो सकते हैं।

आने वाले संकट या अवसरों का संकेत

भगवान को अर्पित माला या फूल का गिरना कभी-कभी आने वाले संकटों का संकेत माना जा सकता है। इसे भगवान द्वारा दी गई एक चेतावनी के रूप में देखा जाता है, जो हमें सचेत करता है कि हमारी जीवनशैली, निर्णयों या किसी खास दिशा में बदलाव की जरूरत है। यह संकेत इस बात का हो सकता है कि हमें अपने वर्तमान कर्मों पर ध्यान देने और अपनी योजनाओं को पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से बचने या उनका सामना करने के लिए तैयार रहने का समय हो सकता है।

स्थान और समय का प्रभाव

भगवान को अर्पित किए गए फूल या माला का गिरना स्थान और समय के प्रभाव से भी जुड़ा हो सकता है। यदि पूजा गलत समय पर की गई हो, तो फूल या माला का गिरना एक सामान्य घटना मानी जाती है। इससे यह संकेत मिल सकता है कि पूजा का समय या स्थान उचित नहीं था। ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हर पूजा का एक शुभ समय और सही स्थॉन होना आवश्यक है ताँकि पूजा का पूरा प्रभाव प्राप्त हो सके। पूजा के लिए दिन, तिथि, और मुहूर्त का विशेष महत्व होता है। यदि पूजा गलत समय पर की जाती है, तो इसका सकारात्मक परिणाम मिलना कठिन हो सकता है। अगर आपके द्वारा चढ़ाई गई फूल या माला बार-बार गिर जाती है तो आपको ईश्वर की सही तरीके से भक्ति करने की जरूरत है और अपनी गलतियों को सुधारने की भी आवश्यकता है। यदि घर में यह बॉर-बार हो रहा है तो पूजा स्थल की साफ-सफाई और

सकारात्मक ऊँर्जा का ध्यान रखें।

भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला का तुरंत नीचे गिर जाना देता है ये संकेत क्या कहता है ज्योतिष

धार्मिक कार्यों और पूजा-पाठ में फूलों और मालाओं का विशेष महत्व होता है। ऐसे ही भगवान को अर्पित किए गए फूल और माला का भी पूजा में विशेष महत्व होता हैं। ऐसी मान्यता है कि फूल और माला हमारी श्रद्धा, भक्ति और समर्पण को व्यक्त करते हैं। क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि भगवान को चढाए गए फूल या माला कई बार तुरंत गिर नीचे गिर जाते हैं? कई बार ऐसा होता हैं कि हम जो भी फूल या माला ईश्वर को समर्पित करते हैं वो तुरंत ही नीचे गिर जाते हैं। इस बात को लेकर हमारे मन में ऐसे सवाल आते हैं कि क्या ये एक सामान्य घटना है या इसके कुछ ज्योतिष संकेत भी हो सकते हैं? दरअसल ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसके पीछे कुछ खास संकेत होते हैं जो आपकी

जीवन स्थितियों, कर्मों और भविष्य के संकेतों की ओर इशारा करते हैं। पुजा में चढ़े फूल और माला का धार्मिक महत्व भारतीय संस्कृति में फूलों का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व होतां है। फूलों को शुद्धता, सौंदर्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। भगवान को अर्पित किए जाने वाले फूल न सिर्फ श्रद्धा का प्रतीक होते हैं, बल्कि ये प्रकृति से जुड़ने का एक तरीका भी माने जाते हैं। ऐसे में जब ये फूल या माला भगवान को चढ़ाने के बाद तुरंत गिर जाते हैं, तो इसे एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय संकेत माना जा सकता है। हम श्रद्धा से ईश्वर को फूल या माला अर्पित करते हैं और ये इस बात काँ प्रतीक होती है कि हम उनकी भक्ति

ज्योतिषीय में क्या है ईश्वर को चढ़ाए फूल या माला के गिरने का मतलब

में कितने लीन हैं।

ज्योतिष के अनुसार, भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला का गिरना एक संदेश या संकेत हो सकता है। इसे शुभ या अशुभ दोनों तरह के संकेतों के रूप मैं देखा जा सकता है। यह आपकी वर्तमान परिस्थितियों और कर्मों पर निर्भर

कर्म और श्रद्धा का प्रतिबिंब

भगवान को फूल या माला अर्पित करना हमारे कर्म और श्रद्धां का प्रतीक होता है। जब हम पजा के दौरान भगवान को माला चढाते हैं और वह तुरंत गिर जाती है, तो इसे एक संकेत के रूप में

देखा जाता है कि हमारे कर्म या भक्ति में कोई कमी है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि हमने पूजा करते समय पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ ध्यान केंद्रित नहीं किया। पूजा का उद्देश्य केवल शारीरिक रूप से कर्म करना नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक और भावनात्मक समर्पण भी शामिल होता है। यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि हमें अपने आंतरिक मन और भावनाओं में शुद्धता और समर्पण लाने की आवश्यकता है। पूजा के दौरान भगवान के प्रति पूरी श्रद्धा और सच्ची भावना के साथ प्रस्तुत होना जेंरूरी है ताकि भगवान हमारे कर्मों और भक्ति को स्वीकार कर सकें।

हो सकता है भगवान का संदेश

भगवान को अर्पित फूलों या माला का गिरना एक दिव्य संदेश हो सकता है। जब पूजा के दौरान भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला अचानक गिरते हैं, तो इसे भगवान द्वारा भेजा गया संकेत माना जा सकता है। यह संकेत इस बात की ओर इशारा करता है कि भगवान आपकी प्रार्थनाओं को सुन रहे हैं और आपको सही दिशा में मार्गदर्शन देने का प्रयास कर रहे हैं।

कई बार यह घटना शुभ मानी जा सकती है, क्योंकि यह भगवान के साथ आपके संवाद का प्रतीक होते हैं। ऐसे में आपको अपने जीवन में कुछ आवश्यक और महत्वपूर्ण बदलाव करने की जरूरत है। भगवान के इन संकेतों को ध्यान में रखते हुए, हमें अपने जीवन में सकारात्मक कदम उटाने और उन बदलावों को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए, जो हमारे व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विकास के लिए आवश्यक हो सकते हैं।





पितृ दोष, मंगल दोष, राहु-केतु दोष दूर करता है हनुमान चालीसा का पाठ शनि ग्रह की पीड़ा से मुक्ति के



मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करने के बहुत से चमत्कारिक फायदे बताए गए हैं। बजरंगबली की पूजा करने से हमें बल, बुद्धि और विद्या की प्राप्ति होती है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। आज हम आपको बता रहे हैं हनुमान चालीसा के असरदार उपाय जो आपके आर्थिक कष्ट दूर करने और परिवार में सुख शांति स्थापित करने के साथ ही आपकी कुंडली में मंगल की स्थिति को मजबूत करते हैं। मंगलवार का दिन हनुमानजी की पूजा करने के लिए सबसे शुभ माना गया है और इस दिन हनुमान चालीसा के उपाय करने से आपके घर में सुख शांति बढ़ती है। आपके धन में वृद्धि होती है और आप सभी कष्टों से दूर रहते हैं। हनुमान चालीसा का पाठ करने से पितृ दोष, मंगल दोष, राहु-केतु दोष दूर होते हैं। हनुमानजी को शिवजी का अवतार माना गया है। कहते हैं हनुमानजी अजर और अमर हैं और कलियुग में भी मौजूद हैं। इसलिए हनुमानजी की पूजा करने

से वह जल्द ही सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। आइए देखते हैं हनुमान चालीसा के कुछ असरदार

घर से क्लेश मिटाने के लिए हनुमान चालीसा का उपाय

अगर आप भी अपने घर में रोजाना के होने वाले झगडे और क्लेश से परेशान हैं तो मंगलवार और शनिवार की शाम को हनुमान मंदिर में जाकर गुड़ और चने का दान करें। उसके बाद मंदिर में बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। हनुमान चालीसा शुरू करने के आधा घंटे पहले और आधा घंटे बाद तक किसी से बात न करें और मन में सच्ची श्रृद्धा के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करें। ऐसा करने से आपके परिवार में सुख शांति रहती है और आपस में प्रेम भाव बढता है।

अगर आपकी कुंडली में शनि का दोष है तो हनुमानजी की पूजा करनें से आपको काफी हद तक शनि ग्रह की पीड़ा से मुक्ति मिल सकती है। मंगलवार और शनिवार को सुबह स्नान करने के बाद सबसे पहले हनुमान चालीसा का पाठ करके अपने काम पर जाएं। शाम को लौटकर मंदिर में जाकर हनुमान

लिए हनुमान चालीसा का उपाय

चालीसा का पाट करें। आर्थिक समस्याओं से मुक्ति के लिए हनुमान चालीसा काँ उपाय

मंगलवार की शाम को सवा किलो गुड़ लेकर उसको 11 भागों में बांट लें। शाम को प्रदोष काल में मंदिर में जाकर पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें और हर बार पाठ खत्म

होने पर गुड़ का एक भाग दान करते जाएं। इस तरह पूरे 11 बार पाठ करें और मंदिर में गुड़ पूरा दान करके घर आ जाएं। ऐसा करने से आपकी आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं और करियर कारोबार में तरक्की होती है।

बार-बार चोट लगती है तो करें हनुमान चालीसा का पाठ

अगर आपके साथ पिछले कुछ समय से ऐसा हो रहा है कि आपको बार-बार शारीरिक समस्याएं हो रही हैं या फिर बार-बार चोट या दुर्घटना हो रही है तो हर मंगलवार को कम से 3 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें और साथ ही मंदिर में जाकर बूंदी के लुहू का भोग लगाएं। ऐसा करने से हनुमानजी आपकी रक्षा करेंगे और हर संकट को दूर रखेंगे।

मंगल को मजबूत करने के लिए करें हनुमान चालीसा का पाट

कुंडली में मंगल की स्थित कमजोर होने पर आपके अंदर अपने फैसले स्वयं लेने का साहस नहीं रहता है और व्यक्ति का आत्मविश्वास कमजोर रहता है। इसमें सुधार के लिए हर मंगलवार को हनुमानजी के मंदिर की सबसे ऊंची वाली सीढ़ी पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। ऐसा करने से आपका मंगल मजबूत होगा और आपके अंदर अपने फैसले खुद लेने का आत्मविश्वास आएगा।

ब्रह्माकुमारी ईश्वर आयोजित किया गया नव वर्ष

का प्रोग्राम पुराने वर्ष को विदाई नए वर्ष को बधाई

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस



सोहना। प्रोग्राम राजीव गांधी पार्क में आयोजित किया गया जिसमें बबीता बहन ने बहुत अच्छी एंकरिंग की और इस प्रोग्राम में यह बताया गया कि भारत कभी सोने की चिड़िया था और आज का भारत क्या हो गया है इस पर एक नाटक प्रस्तुत किया गया और बताया गया भारत फिर से सोने की चिडिया बन सकता है अगर हम स्वयं परिवर्तन करें इस प्रोग्राम में गेम्स और एक्टिविटी भी कराई गई जिसके माध्यम से ऑडियंस का मनोरंजन किया गया इस प्रोग्राम में जिन्होंने हिस्सा लिया था वो है पिंकी बहन , सलोनी बहन , तनु बहन , राजेश भाई , नीलम बहन , नंदिनी बहन इस प्रोग्राम में हमारे मुख्य अतिथि मुकेश गर्ग एडवोकेट ने नए वर्ष में सकारात्मक संकल्पों से नई शुरुआत करने का आवाहन किया, अपने विकारों पर विजय पाने का सबसे सरल और उत्तम मार्ग प्रभु को याद कायम रखना है, जैसे प्रकाश के सम्मुख होने से अंधेरा स्वतः ही पीछे चला जाता है, परोपकार से मृत्य पर विजय प्राप्त कर अमृतत्व की प्राप्ति होती है, सत्य मार्ग से संदेह का कोहरा स्वतः ही दूर हो जाता है, जिससे भवसागर के बंधन से सहज मुक्ति प्राप्त होती है।

जिला बार एसोसिएशन के चुनाव की सुगबुगाहट शुरु

गुडगांव। नववर्ष के साथ ही जिला बार एसोसिएशन के चुनाव की सुगबुगाहट शुरु हो गई है। हालांकि गत वर्ष ही पंजाब एंड हरियाणा बार काउंसिल ने चुनाव कार्यऋम की घोषणा कर दी थी। प्रदेश की सभी बार एसोसिएशन के चुनाव आगामी 28 परवरी को कराए जाएंगे। पहले यह चुनाव दिसम्बर माह में ही होते थे। बार काउंसिल के चुनाव कार्यऋम के बाद वार्षिक सदस्यता अभियान भी शुरु हो गया है। यानि कि विभिन्न अदालतों में कार्यरत अधिवक्ताओं ने वार्षिक शुल्क जमा कराना शुरु कर दिया है। बार काउंसिल का स्पष्ट आदेश है कि वे ही अधिवक्ता मतदान कर पाएंगे, जो पंजाब एंड हरियाणा बार कार्उसिल में पंजीकृत हैं। मतदाता एक ही बार एसोसिएशन में मतदान कर सकेगा। वार्षिक शुल्क जमा कराने की आगामी 10 जनवरी निर्धारित की गई है। बार एसोसिएशनें मतदाताओं की सूची बार काउंसिल को भेजेगी। जनवरी के आखिरी सप्ताह में चुनाव कराने के लिए चुनाव अधिकारी और चुनाव समिति की घोषणा भी बार काउंसिल द्वारा कर दी जाएगी। जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि चुनाव की तैयारियां शुरु की हुई हैं। अधिवक्ता अपना वार्षिक शुल्क ऑनलाईन जमा करा रहे हैं। गुडग़ांव के अलावा जिले में सोहना व पटौदी में भी बार एसोसिएशन का गठन किया हुआ है। गुडगांव बार एसोसिएशन प्रदेश की सबसे बड़ी एसोसिएशन मानी जाती है। गत वर्ष के चुनाव में करीब 5 हजार अधिवक्ताओं को मतदाता सूची में शामिल किया गया था। हालांकि गुडग़ांव बार एसोसिएशन में 9 हजार से अधिक अधिवक्ता

परिवार का आरोप- बेटे की हत्या हुई, शव नहीं दिया जा रहा, हफ्ता पहले गया था

यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर के जगाधरी के युवक की मालदीव में मौत हो गई। युवक की संदिग्ध हालत में मौत हुई है। युवक का शव दोस्त के कमरे में फंद्रे पर लटका मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। साथ ही उनका कहना है कि विदेश में मृतक का शव भी नहीं दिया जा रहा है। डीसी को प्रार्थनापत्र सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने और शव दिलवाने की मांग की गई है। मामला जगाधरी शहर की श्याम सुंदरपुरी कॉलोनी है। कॉलोनी निवासी रामप्रीत साहनी ने डीसी को सौंप पत्र में बताया कि उसका बेटा रविंद्र दो साल से मालदीव में काम करने के लिए गया था। कुछ दिन पहले वह जगाधरी आया था। इसके बाद बीते 24 दिसंबर को वह वापस चला गया। जहां वह कॉलोनी के एक ही एक युवक के साथ कमरे में रहता था। 31 दिसंबर को परिवार को सूचना मिली की रविंद्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। रामप्रीत का कहना है कि रविंद्र काफी खुश था। उन्हें आशंका है कि उसकी हत्या की गई है। इसके साथ ही उनका कहना है कि बेटे का शव लाने के लिए दूसरा बेटा और परिवार के कुछ सदस्य मालदीव गए हैं। लेकिन, वहां पर उन्हें शव नहीं दिया जा रहा है। परिजन चाहते हैं कि बेटे का संस्कार उनके पैतृक गांव में ही किया जाए। परिजनों ने डीसी को पत्र सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने और शव वापस भारत लाने की अपील

विधायक बोले-नॉलेज में होता तो किसी को न मरने देता; दो घंटे में क्या हुआ ये सबको पता

भिवानी। लोहारू के गांव परिटया भीमा में छात्रा की आत्महत्या प्रकरण मामले की जांच के लिए हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया शुऋवार को गांव पहुंची। उन्होंने इस प्रकरण में लोहारू के कांग्रेस विधायक राजबीर परिटया से भी विस्तार से बातचीत की। विधायक परिटया ने बताया कि पिछले तीन साल से छात्रा कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। उनकी नॉलेज में अगर होता तो वह किसी को मरने नहीं देते। उन्होंने कहा कि दो साल और खासकर दो घंटे में ही क्या हुआ यह सबको पता है। मामले में विधायक ने परिजनों पर ही सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस समय यह घटना हुई उस समय परिवार के सदस्य मौजूद थे। वहीं हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा रेनू भाटिया ने अधिकारियों को विभिन्न बिंदुओं पर मामले की जांच के आदेश दिए वहीं इस कॉलेज में पढ़ाई करने वाली 55 अनुसूचित जाति वर्ग की अन्य छात्राओं से भी बातचीत कर उनके बयान दर्ज कराए जाने पर जोर दिया।

झज्जर में चारपाई के नीचे अंगीठी से जलकर बुजुर्ग की मौत, गांव सिलानी में बीती देर शाम का है मामला

झज्जर। झज्जर के एक गांव में एक बुजुर्ग के लिए अंगीठी जलाकर सोना जानलेवा साबित हुआ। बुजुर्ग ने चारपाई के नीचे अंगीठी को



को भी बंद कर दिया था। बाद में अंगीठी से निकली आग चारपाई में लग गई और उसकी चपेट में बुजुर्ग भी आ गया। बुजुर्ग अंगीठी की इस आग में बुरी तरह झुलस गया और वहीं मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। घटना झज्जर के गांव सिलानी की है। जांच अधिकारी ने बताया कि उन्हें हादसे की सूचना मिली थी और उसके बाद ही वह मौके पर पहुंचे और बाद में उन्होंने घटनास्थल का मौका मुआयना किए जाने के बाद बुजुर्ग के शव को काफी जली हालत में पोस्टमार्टम के लिए झज्जर के नागरिक अस्पताल भिजवाया। जांच अधिकारी का यह भी कहना है कि मामले की सूचना मृतक बुजुर्ग सीताराम के बेटे द्वारा दी गई थी। उसी की सूचना पर पुलिस द्वारा कार्रवाई अमल में लाई गई है। मामले की जांच की जा रही है। फ्लिहाल मृतक बुजुर्ग के शव का झज्जर के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

उपायुक्त ने तावडू में आयोजित समाधान शिविर में सूनी लोगों की शिकायतें

तावडू में आई 13 शिकायतें और नूंह में आई 3

शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को दिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस नूंह, अभयसिंह सैनी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर प्रातरू 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें जनता की शिकायतें सुनकर उनका त्वरित व उचित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में एक नई पहल करते हुए उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविर में भी वे खुद पहुंचकर लोगों की शिकायतें सुनेंगे।

दिनों में फ्रिरोजपुर झिरका, पुन्हाना, नूंह में भी इसी तरह लोगों की शिकायतें सुनी जाएंगी, ताकि सरकार के सुशासन कार्यक्रम का लाभ आमजन तक आसानी से पहुंच सके। उपायुक्त शुऋवार को उपमंडल तावडू में आयोजित समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनने के बाद स्थानीय पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के समाधान शिविर में कुल 13 शिकायतें उनके पास पहुंची, जिसमें पानी निकासी, परिवार पहचान पत्र में त्रुटियां

विभाग से भी संबंधित थी। उन्होंने बताया कि इन सभी शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए इन्हें संबंधित विभागों में भेजा गया है, जहां पर इन शिकायतों पर उचित व यथासंभव कार्यवाही की जाएगी। संबंधित विभागों को पहले ही समाधान शिविर संबंधी शिकायतों पर उचित कार्यवाही करने संबंधी निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि वे आगामी 7 जनवरी को पुन्हाना, 8 जनवरी को नुंह तथा 9 जनवरी को फ्रिरोजपुर झिरका में आयोजित होने वाले समाधान शिविर में पहुंचेंगे और उपमंडल स्तर पर ही लोगों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान स्निश्चित करेंगे। इन तिथियों में अधिक से अधिक लोग अपनी जायज शिकायतों का समाधान करवाने के लिए उपमंडल

हैं। सभी शिकायतों पर गंभीरता से विचार कर उनका उचित समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर के बाद उपमंडल स्तर पर ही 12 बजे राजस्व

राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक में विभाग से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि मुटेशन के मामलों का तुरंत समाधान किया जाए और आगामी दिनों में 10 दिन से अधिक मुटेशन के मामले लंबित न रखे जाएं। जो पिछले मामले लंबित हैं, उनका समाधान भी जल्द किया जाए। कोर्ट कार्य रूटीन में किए जाएं। इस अवसर पर उन्होंने विभाग से संबंधित

करने का आश्वासन दिया। इसी प्रकार उन्होंने तावडू उपमंडल से संबंधित अन्य समस्याओं के बारे में भी संबंधित विभागों से जानकारी ली और पेडिंग कार्यों को जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ एसीयूटी अनिरूद्ध यादव, उपमंडल अधिकारी (ना.) संजीव कुमार, तहसीलदार अजय कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। नूंह में आयोजित समाधान शिविर

समस्याओं के बारे में भी जाना और

अधिकारियों को इनका जल्द समाधान

में आई 3 शिकायतें

उपायुक्त ने बताया कि नूंह में आयोजित समाधान शिविर में शुऋवार को तीन शिकायतें आई, जिन्हें संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेज

महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए दिया जा रहा ३ लाख रुपये तक का ऋण: उपायुक्त

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस नूंह, अभयसिंह सैनी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिये मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की है। जिसके तहत बैंकों के माध्यम से 3 लाख रुपये तक के ऋग दिलवाने की व्यवस्था की गई है। हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना महिला

गुडगांव। सामाजिक संस्था आल स्किल एण्ड रिसर्च

पाउंडेशन द्वारा बसई स्थित श्री राधा कृष्ण गौशाला में

गौपालकों तथा गौरथ चालकों को सम्मान के रूप में राशन,

कंबल, कपड़े व अन्य जरूरत के सामान का वितरण किया।

जरुरतमंदों के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए

कड़ाके की सर्दी में 28 गौ पालको तथा रथ चालकों को

सम्मान के रूप में खाद्य सामग्री व गर्म कपड़े आदि वितरित

किए गए। समाजसेविका रेणू बंसल ने संस्था के प्रयासों की

सराहना करते हुए कहा कि संस्था जरुरतमंदों की सेवा करने

जरुरतमंदों को बचाने के लिए प्रयास करने चाहिए। आचार्य

मनीष, रविंद्र गुप्ता आदि का भी कहना है कि संस्था निस्वार्थ

में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रही है। अन्य संस्थाओं

को भी इनका अनुसरण करते हुए कडकुड़ाती ठंड से

रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम की इस योजना के तहत लाभार्थी ऑटो रिक्शा, छोटा सामान ढोने के वाहन, थ्री व्हीलर, ई-रिक्शा, टैक्सी, सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के तहत सैल्यून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटिक, फोटो स्टेट की दुकान, पापड़ बनाना, आचार बनाना, हलवाई की दुकान फूड स्टॉल, आईसऋीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट बनाना, हैंडलुम बैग बनाना, टिफ्नि सर्विस, मिट्टी के बर्तन मटके इत्यादि बनाने का अपना काम शुरू कर

गौपालकों व गौरथ चालकों को

वितरित किए गर्म वस्त्र व खाद्य सामग्री

सकती है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए परिवार का वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम होनी चाहिए और आवेदक महिला हरियाणा की स्थाई निवासी होना तथा आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक पहले से लिए गये ऋग का डिफ्फल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत समय पर किस्त का भगतान करने पर 3 वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि

निगम के माध्यम से दी जायेगी। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करवाने होंगे। इन दस्तावेजों में आवेदन पत्र, राशन कार्ड, परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट आकार फोटो. रिहायशी प्रमाण पत्र. प्रोजैक्ट रिपोर्ट, ट्रेनिंग सर्टिफ्क्रिट, अनुभव प्रमाण पत्र शामिल है। उन्होंने बताया कि आवेदन करने के लिए एकता कॉलोनी शाँहपुर-नंगली रोड नूंह फोन न. 01267-274196 पर

मेक इन इंडिया अभियान के तहत ऑप्टिमस ने एलएस स्पेक्ट्रम के साथ किया समझौता

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस गुडगांव। दूरसंचार व इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण में प्रयासरत ऑफ्टिमस इंफ्राकॉम के सहायक प्रतिष्ठान ऑप्टिमस अनमैन्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (ओयूएस) ने एलएस स्पेक्ट्रम सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। दोनों प्रतिष्ठानों के सहयोग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान को भी गति मिलेगी। ऑप्टिमस इंफ्राकॉम के चेयरमैन अशोक गुप्ता का कहना है कि ड्रोन आधारित समाधानों को आगे बढ़ाने की क्षमता दोनों प्रतिष्ठानों में है,

जो स्पेक्ट्रम निगरानी, दिशा खोज और जियोलोकेशन, इलेक्ट्रॉनिक सहायता उपाय, सिग्नल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रॉनिक काउंटर उपाय आदि क्षमताओं के माध्यम से बाजार में अपनी प्रमुख भूमिका निभाएंगे। एलएस स्पेक्ट्रम के निदेशक प्रसाद केरकर का कहना है कि यह समझौता एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश में ड्रोन आधारित स्पेक्ट्रम समाधान को बढा़वा मिलेगा। दोनों प्रतिष्ठानों का लक्ष्य अपने उत्पादों के बारे में जागरुकता बढ़ाना है और यही प्रयास किए जाएंगे कि इनका लाभ अधिक से अधिक प्रतिष्ठान उठा

सैनिक स्कूल रेवाड़ी में कक्षा छठी व 9वीं के दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

पात्र अभ्यर्थी दाखिले के लिए 13 जनवरी तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

मेवात न्यूज् एक्सप्रेस नृंह, अभयसिंह सैनी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि रेवाड़ी जिला के गांव गोठड़ा स्थित सैनिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए कक्षा छठी व नौंवी में दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। पात्र अभ्यर्थी वेबसाइट पर 13 जनवरी, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अंतिम सीट संख्या पास-आउट और नामांकित विद्यार्थियों की स्थिति पर निर्भर करेगी। कक्षा छठी के

लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा में गणित, सामान्य ज्ञान, भाषा और बुद्धिमत्ता जैसे विषयों पर आधारित 300 अंकों की परीक्षा तथा कक्षा 9वीं की परीक्षा में गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन और बुद्धिमत्ता पर आधारित 400 अंकों की परीक्षा होगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर प्रवेश परीक्षा की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सैनिक स्कूल रेवाड़ी रक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख

संस्थान है जो मुख्य रूप से हरियाणा के लोगों को समर्पित है। इसमें 67 प्रतिशत सीट हरियाणा के विद्यार्थियों के लिए तथा 33 प्रतिशत सीट भारत के अन्य राज्यों के लिए है। इस स्कूल का प्राथमिक उद्देश्य कैडेट को हमारे देश के सशस्त्र बलों में अधिकारियों के रूप में एक शानदार करियर के लिए तैयार करना है। उन्होंने बताया कि सैनिक स्कल रेवाडी में कक्षा छठी में प्रवेश के लिए 75 सीट व कक्षा नौवी में प्रवेश के लिए 25 सीट

आज आधुनिक युग में फर्स्ट एड की जानकारी हर नागरिक को होना अनिवार्य

में लगाए रिफ्लेक्टर

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस गुडगांव। धुंध के प्रकोप से बचाव के लिए सडक् सुरक्षा के अभियान के चलते शुऋवार को ट्रेक्टर-ट्रॉली, रिक्शा, रेहड़ी, टैंकर आदि दुर्घटना सम्भावित वाहनों में रिफ्लेक्टर लगाए गए, जरूरत के मुताबिक टेप की संख्या ज्यादा लगाई गई। वरिष्ठ श्रमिक नेता कुलदीप जांघू ने

पटौदी, (सैनी)। भाजपा विधायक

बिमला चौधरी ने पटौदी नगर परिषद

में करीब 24करोड़ रुपए के विकास

कार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर

पर उन्होंने लोगों की शिकायतें भी सुनी

खानपुर, पटौदी शहर, रामपुर, जाटौली

मंडी, मिर्जापुर, नरहेड़ा व देवलावास

में गलियों, पार्क व सामुदायिक भवन

और विधानसभा चुनावों में उन्हें

विजयी बनाने के लिए लोगों का

आभार जताया। गांव हेड़ाहेड़ी,

सहित अन्य विकास कार्यो का

शिलान्यास किया। अलग अलग

सभाओं में लोगों को संबोधित करते

हुए विधायक बिमला चौधरी ने कहा

बताया कि एरो मार्किंग, साइन मार्किंग, ट्राइंगल आदि की भी रेडियम टेपिंग की गई, जिससे बहुत दूर से ही वाहन चालक को रिफ्लेक्टर दिखाई दे जाए और दुर्घटना होने से बच सके। हमारी सडक सुरक्षा टीम को दुर्घटना संभावित क्षेत्र की जानकारी मिलते ही तुरन्त उस जगह पहुंचकर टेप लगाती है।

मेवात न्यूज् एक्सप्रेस नूंह, अभयसिंह सैनी। उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रैडऋाँस सोसाइटी नृंह विश्राम कुमार मीणा के कुशल मार्गदर्शन एवं सचिव महेश गुप्ता की देखरेख में जिला रैड ऋॉस सोसाइटी ने सडक़ सुरक्षा जीवन रक्षा एवम फर्र्ट एड ज्ञान देता है जीवन दान विषयों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रूप पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी

रोजका मेव में किया। जिला रैड ऋॉस

बिमला चौधरी ने पटौदी नगर परिषद क्षेत्र में 24

रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास किया

भाव से कार्य कर रही है। दानवीरों को संस्था का सहयोग

करना चाहिए। संस्था के अध्यक्ष एमपी शर्मा का कहना है

कि संस्था महिलाओं को स्वाबलंबी बनाने के लिए भी

सिलाई-कढ़ाई, कंप्यूटर शिक्षा, ब्यूटीशियन जैसे कौशल

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन कर रही है, जिसका बड़ी

सोसाइटी नुंह के जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने सभी उपस्थित 50 कमियों को मोटर वाहन संशोधन विधेयक- 2019 की विस्तृत जानकारी दी। जिनमें मुख्यतरू शराब पीकर वाहन ना चलाने, नाबालिंग से वाहन ना चलवाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने, आपातकाल वाहन को तुरंत रास्ता देने, आपातकाल नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वाहन चलाते समय

तत्पर हूं। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब

इंद्रजीत सिंह क्षेत्र के विकास के लिए

प्रतिबद्ध है। इसके नेतत्व में पटौदी में

भरपुर विकास होगा। इस अवसर पर

भाजपा नेता रवि चौधरी, ईओ सुशील

कुमार भुक्कल, पटौदी नगर पालिका के

पूर्व चेयरमैन चन्द्रभान सहगल, पूर्व

उपप्रधान जर्मन सैनी, राधेश्याम

मक्कड़, पवन खानपुर, ब्रह्मप्रकाश

दोचानियां, रवि चौहान, राजकुमार

चौहान सहित अन्य प्रमुख लोग

उपस्थित थे।

सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री राव

चालक के साथ बैठी सवारी को भी हेलमेट, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करना करने, सांस न आने और हार्ट के कार्य चाहिए। हेलमेट दुर्घटना के समय सीमा पर खड़े सिपाही की तरह स्वयं चोटिल होकर चालक के जीवन की सरक्षा करता है।

फर्स्ट एड में बेहोशी, घायल को मौके पर प्राथमिक सहायता, हार्ट अटैक, सिक्का निगलना, आगजनी के दौरान धुआं होने, बिजली का करंट, पानी में डूबने, शरीर से बहुत खून

न करने की अवस्था में जीवनदायिन विधि सी.पी.आर. का प्रयोगात्मक तरीका समझाया तथा सभी उपस्थित अधिकारियों एवम कर्मियों को इसका अभ्यास कराया।इस कार्यशाला के सफ्ल आयोजन में प्लांट हैड गगनदीप सिंह, एच आर एडिमन वीरेंद्र सिंह, उप प्रबंधक मणी खत्री का काफी

14 वर्षों तक ओडिसा के मुख्यमंत्री

गुडगांव। असम के पूर्व राज्यपाल व ओडिसा के पूर्व मुख्यमंत्री जानकी बल्लभ पटनायक को उनकी जयंती पर याद करते हुए साईबर सिटी में निवास कर रहे ओडिसा मूल के लोगों ने कहा कि जानकी बल्लभ पटनायक का जन्म 3 जनवरी 1927 को उड़ीसा के पुरी जिले के गांव रामेश्वर में हुआ था। उन्होंने खुर्द हाई स्कूल से अपनी विद्यालय की शिक्षा पूर्ण की और उत्कल विश्वविद्यालय से 1947 में संस्कृत में स्नातक और 1949 में राजनीति विज्ञान में काशी शिक्षा पूर्ण की। वक्ताओं ने कहा कि वह संस्कृत के विद्वान् थे।

वर्ष 1980-1989 और पुनरू 1995-1999 तक ओडिशा के मुख्यमंत्री रहे। 11 दिसंबर 2009 से 10 दिसंबर, 2014 तक असम के राज्यपाल रहे। उनको 1980 में राज्य सरकार में पर्यटन, नागरिक उड्डयन और श्रम मंत्री बनाया गया। उनका मुख्यमंत्री के रूप में 14 सालों तक का रिकार्ड कार्यकाल रहा, उनका रिकार्ड मुख्यमंत्री के रूप में नवीन पटनायक ने तोड़ा। साहित्य के क्षेत्र में भी उनकी रुचि रही, उन्होंने सिंधु उपत्यका व गौतम बुद्ध पुस्तकों की हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की रचना की। वह सफ्ल साहित्यकार और

जरावता की माता गुलाब कौर की पुण्यतिथि पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि मेवात न्यूज एक्सप्रेस न्हं। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल)

कि भाजपा सरकार में विकास कार्यो

के लिए पैसों की कोई कमी नही है। मैं

मेवात न्यूज् एक्सप्रेस

पटौदी, (सैनी)। आश्रम हरिमंदिर आदि संस्थाओं के अधिष्ठाता महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज ने कहा कि हमारे माता पिता किसी देवी देवताओं से कम नहीं है। माता पिता जीते जागते देवता है। मां का स्थान सबसे ऊंचा है। वें शुऋवार को भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता की माता गुलाब कौर की पुण्यतिथि पर पार्थ पैलेस में आयोजित श्रद्धांजिल समारोह में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व अंतर्राष्ट्रीय सूफी गायक डा.ममता जोशी ने धारा प्रवाह भजनों से श्रोताओं को जीवन की सच्चाई से रूबरू कराया। महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज ने कहा कि मानव जन्म लेना ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए मानवता के गुण भी होने चाहिए। तभी मानव जीवन सार्थक होता है। लोगों को दूसरों के लिए भी जीना चाहिए। सामान्य रूप से हमारे बड़े बुजुर्गी द्वारा कहा गया एक एक शब्द वेद वाक्य के समान होता है।



इस अवसर पर पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पटौदी पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन विकास सैनी, पूर्व नगर पालिका चेयरमैन चंद्रभान सहगल, कोमलप्रीत जरावता, पहलवान दलीप सिंह छिल्लर, सरपंच मनबीर सिंह चौहान, पूर्व सरपंच यजुवेंद्र सिंह गोगली, नंबरदार इमरान मान, विकास यादव जन्नत, मनोज जनौला, राव मानसिंह, भूपसिंह, शेरसिंह चौहान, पीएल वर्मा, राधेश्याम मक्कड़ सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे।

के तहत बिसनौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान (बीएसजीएसएस) द्वारा शुऋवार को सुडाका गांव में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। यह शिविर जिले में एनीमिया के खतरे से निपटने के लिए आयोजित किया गया था। नूंह जिले में एनीमिया खासकर महिलाओं, बच्चों और किशोर लड़कियों में देखते हुए यह स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। संस्था के स्वास्थकर्मियो द्वारा सुडाका गांव में घर-घर जाकर नियमित खून की जांच की और अनिमिया से ग्रसित

जिसमे जे.एन.राय, (निदेशक परियोजन), अनुप कुमार और

लोगो को संस्था द्वारा उचित सलाह के साथ स्वस्थ्य वर्धित दवाइयाँ, साथ ही आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए लोहे की कढ़ाही दी ताकि उसका इस्तेमाल खाना बनाने में किया जा सके। इसी ऋम में सुडाका गांव में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टरों और तकनीशियनों की एक टीम ने 215 लोगों की विभिन्न जांचें कीं। ग्रामीण समुदाय के बीच एनीमिया की

जांच और रोकथाम पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरान

सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ लाभार्थियों के बीच

मुफ्त दवाएं, पोषण किट, लोहे की कढ़ाही और प्रतिरक्षा-

बुस्टर पैक वितरित किए गए। शिविर में गतिविधियों का

समन्वय बीएसजीएसएस द्वारा किया गया। शिविर में गतिविधियों का समन्वय बीएसजीएसएस द्वारा किया गया। स्थानीय जन आरोग्यम टीम के डॉक्टर डॉ. भागवत, उबैद, अकरम आदि चिकित्सा दल के सदस्य शामिल थे।

वर्ष 2025-26 में सैनिक स्कूल में कक्षा छठी व 9वीं के दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

गुरूग्राम, मोहित सैनी। देश व प्रदेश के विभिन्न सैनिक स्कूलों में अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (एआईएसएसईई) 2025 के माध्यम से वर्ष 2025-2026 के लिए कक्षा छठी व कक्षा नौवीं में दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। पात्र अभ्यर्थी वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू

आगामी 13 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा ओएमआर शीट पर बहुविकल्पीय प्रशनावली के रूप में होगी। डीसी अजय कुमार ने यह जानकारी देते बताया कि कक्षा छठी में प्रवेश हेत छात्रों की जन्मतिथि पहली अप्रैल, 2013 तथा 31 मार्च, 2015 (दोनों

प्रवेश हेत् छात्रों की जन्मतिथि पहली अप्रैल, 2010 तथा 31 मार्च, 2012 (दोनों तिथियां मान्य) के बीच होनी चाहिए। कक्षा छठी व 9वीं में दाखिले अनुमानित सीटों पर होंगे हैं, जोिक कभी भी घटाए या बढ़ाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 67 प्रतिशत सीटें हरियाणा के बच्चों के लिए तथा 33 प्रतिशत सीटें अन्य राज्यों के लिए आरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि छठी

ज्ञान (विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन), भाषा और बुद्धि परीक्षण (इंटेलिजेंस) विषयों से संबंधित 125 प्रश्न पूछे जाएंगे। यह परीक्षा कुल 300 अंकों की होगी और इसकी समयावधि 150 मिनट होगी। इसी तरह 9वीं कक्षा में प्रवेश के लिए गणित, अंग्रेजी, बुद्धि परीक्षण (इंटेलिजेंस), सामान्य विज्ञान और

150 प्रश्न पूछे जाएंगे। यह परीक्षा कुल 400 अंकों की होगी और इसकी समयावधि 180 मिनट होगी। अभ्यर्थी को वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एग्जाम्स डॉट एनटीए डॉट एसी डॉट आईएन/ एआईएसएसईई/ पर केवल ऑनलाइन आवेदन करना होगा और ऑनलाइन फार्म जमा करवाने की अंतिम तिथि 13 जनवरी है।

गुडगांव। देश की प्रथम महिला शिक्षिका, समाजसुधारिका एवं कवियत्री सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले को महिलाओं के उत्थान के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने पति ज्योतिराव गोविंदराव पुले के साथ मिलकर महिला अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। वर्ष 1852 में उन्होंने बालिकाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की थी। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही महिलाओं व

बालिकाओं का भला हो सकता है।

मेवात न्यूज् एक्सप्रेस

उक्त बात वरिष्ठ श्रमिक नेता कुलदीप जांघू ने सावित्री बाई फुले को उनकी जयंती पर याद करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि उनका जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था और उनका विवाह 1840 में ज्योतिराव पुले से हुआ था। ज्योतिराव पुले की सामाजिक सुधार आंदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। सावित्री बाई ने अपने पति के साथ मिलकर महिला समाज में व्याप्त कुरीतियों, छुआछूत, विधवा विवाह, महिलाओं की मुक्ति, दलित महिलाओं को शिक्षित करने का बीड़ा उठाया था। श्रमिक नेता ने बताया कि उन्हें लोगों

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले थी महान समाजसुधारकः कुलदाप जाघू के विरोध का सामना भी करना पडा था। जब उन्होंने बालिकाओं के लिए स्कूल खोला तो उसका बड़ा विरोध हुआ था। उन्होंने हर बिरादरी व धर्म के लिए काम किया। उन्होंने 5 नए विद्यालय भी महिलाओं के लिए खोले थे। तत्कालीन सरकार ने इन्हें सम्मानित भी किया था। सावित्री बाई पुले उस दौर में न केवल स्वयं पढ़ी, अपित् उन्होंने बालिकाओं के पढने की व्यवस्था भी की। 10 मार्च 1897 को प्लेग महामारी की चपेट में आ जाने के कारण उनका निधन हो गया था। समाज के प्रति की गई सेवाओं के लिए उन्हें देश सदैव याद रखेगा।

कार्यकर्ताओं के परिश्रम से लोकसभा और विधानसभा चुनाव जीता, नगर निगम चुनाव भी जीतेंगेः कमल यादव

मेवात न्यूज् एक्सप्रेस गुरुग्राम, मोहित सैनी। भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव के नेतृत्व में जिला टोली के सफ्लतम 1 वर्ष सम्पूर्ण होने पर पार्टी कार्यालय गुरुकमल में कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में भाजपा के पदाधिकारी, मोर्चों, विभागों, प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। एक वर्ष के सफ्ल कार्यकाल की खुशी में कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। सभी कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव को सफ्लतापूर्वक एक साल पूरा होने और कुशल नेतृत्व देने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जिला अध्यक्ष कमल यादव ने भी पूरी टीम को



गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा और सोहना से विधायक तेजपाल तंवर ने भी पूरी जिला टीम को बधाई दी। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि एक चुनाव के बाद दूसरे चुनाव की तैयारियों में जुट

भाजपा के कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप लोगों के सहयोग और परिश्रम से हमने लोकसभा चुनाव जीता। श्री यादव ने कहा कि कार्यकर्ताओं की ही मेहनत का परिणाम रहा कि गरुग्राम जिला की चारों विधानसभाओं में कमल

सरकार बनी। अपनी टीम पर गर्व करते हुए जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि हम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली के मार्गदर्शन में गुरुग्राम के दोनों नगर निगमों में कमल खिलाकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएंगे। कमल यादव ने कहा कि आज हमें यह संकल्प लेकर जाना है कि नगर निगम चुनाव में भाजपा की टिकट जिसे भी मिले सब एक साथ मिलकर बीजेपी को जिताएंगे। कमल यादव ने अपने औजस्वी भाषण से कार्यकर्ताओं में जोश भरा। कमल यादव ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने हमें जो भी टॉस्क दिया उसे हमने संकल्प के साथ पूरा किया है।

के नेतृत्व में भाजपा की तीसरी बार

गरुग्राम, मोहित सैनी। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला में लघु सचिवालय सहित सभी उपमंडल कार्यालयों में हर कार्यदिवस में समाधान शिविरों का आयोजन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुऋवार को लघु सचिवालय के सभागार में सीटीएम कुँवर आदित्य विऋम की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शुऋवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से मौके



सीटीएम कुँवर आदित्य विक्रम ने समाधान

शिविर में प्राप्त दस शिकायतों का किया निपटारा

गया व अन्य के लिए समय सीमा निर्धारित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। सीटीएम ने बताया कि इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रोपर्टी

सावित्रीबाई फुले के जीवन मूल्यों को आत्मसात करते हुए समाज के

निकाय विभाग से नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है।

संवेदनशीलता से कार्य करें और नागरिकों को सरकारी कार्यालयों में ज्यादा चक्कर न लगवाएं व उनकी समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान करें। सीटीएम ने कहा कि समाधान शिविर नागरिकों एवं प्रशासन के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने में कारगर साबित हो रहे हैं। नागरिक बेझिझक अपनी समस्याओं को लेकर शिविर में पहुंच रहे हैं जिससे प्रशासन को नागरिकों की समस्याओं का पता लग रहा है मौके पर ही सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं ताकि शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर

अंतरिक्ष कार्यऋम को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाने में वैज्ञानिक सतीश धवन का रहा महत्वपूर्ण योगदानः प्रो. सपरा

गुडगांव। प्रसिद्ध वैज्ञानिक सतीश धवन का देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊँचाईयों पर पहुँचाने में उनका बहुत ही महत्त्वपूर्ण योगदान था। एक महान् वैज्ञानिक होने के साथ-साथ प्रो. सतीश धवन बेहतरीन इंसान और कुशल शिक्षक भी थे। सतीश धवन को विऋम साराभाई के बाद देश के अंतरिक्ष कार्यऋम की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वह इसरो के अध्यक्ष भी नियुक्त किए गए थे। शिक्षाविद् सुभाष सपरा ने सतीश धवन की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनका जन्म 25 सितम्बर 1920 को श्रीनगर में हुआ था। बाल्यकाल से ही उनकी शिक्षा के प्रति रुचि थी। अविभाजित भारत के लाहौर के पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने शिक्षा ग्रहण की। उन्होंने 1972 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष के रूप में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई का स्थान ग्रहण किया था। वह अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव भी रहे थे। उनकी नियुक्ति के बाद के दशक में उन्होंने असाधारण विकास और शानदार उपलब्धियों के दौर से भारतीय अंतरिक्ष कार्यऋम को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रो. धवन ने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस में कई सकारात्मक बदलाव किए थे। उन्होंने संस्थान में अपने देश के अलावा विदेशों से भी युवा प्रतिभाओं को शामिल किया। उन्होंने कई नए विभाग भी शुरू किए और छात्रों को विविध क्षेत्रों में शोध के लिए प्रेरित किया। सतीश के रूप में पुनर्नामकरण किया गया।

धवन के प्रयासों से ही संचार उपग्रह इन्सैट, दूरसंवेदी उपग्रह आईआरएस और ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी का सपना साकार हो पाया था। उन्होंने कहा कि जिस समय सतीश धवन भारतीय अंतरिक्ष कार्यऋम के अध्यक्ष थे, उस समय भी उन्होंने परिसीमा परत अनुसंधान के लिए पर्याप्त प्रयास समर्पित किया। उनके सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण योगदान हर्मन शिलिच्टिंग की मौलिक पुस्तक बाउंड्री लेटर में प्रस्तुत है। वे बैंगलूर स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के लोकप्रिय प्रोपेसर थे। उन्हें आईआईएससी में भारत के सर्वप्रथम सुपरसोनिक विंड टनल स्थापित करने का श्रेय जाता है। उन्होंने वियुक्त परिसीमा स्तर प्रवाह, तीन-आयामी परिसीमा परत और ट्राइसोनिक प्रवाहों की पुनर्परतबंदी पर अनुसंधान का भी बीड़ा उठाया था। उन्होंने कहा कि सतीश धवन ने ग्रामीण शिक्षा, सुदूर संवेदन और उपग्रह संचार पर अग्रगामी प्रयोग किए। उनके प्रयासों से इन्सैट-एक दूरसंचार उपग्रह, आईआरएस-भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह और ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) जैसी प्रचालनात्मक प्रणालियों का मार्ग प्रशस्त हुआ, जिसने भारत को अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले राष्ट्रों के संघ में खड़ा कर दिया। उन्हें पद्म विभूषण, इंदिरा गांधी पुरुस्कार सहित अन्य पुरुस्कारों से नवाजा गया। 3 जनवरी 2002 को उनका निधन हो गया था। श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश में स्थित

उत्थान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे युवाशक्तिः राव नरबीर सिंह कैबिनेट मंत्री ने कहा, सामाजिक उत्थान के नायकों से प्रेरणा लेकर हरियाणा के विकास को नई गति दे रहे हैं मुख्यमंत्री

श्री नायब सिंह सैनी 💻 देश की प्रथम महिला अध्यापक एवं समाज सेविका सावित्री बाई फ़ुले की जयन्ती पर गांव झाड़सा में आयोजित कार्यऋम को

कैबिनेट मंत्री ने बतौर मुख्यातिथि किया संबोधित मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस गरुग्राम, मोहित सैनी। उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज के जागरण में मुख्य भूमिका निभाती है। ऐसे में हमारी युवा शक्ति को सावित्रीबाई फुले के जीवन मूल्यों को आत्मसात करते हुए समाज के उत्थान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में यह प्रमाणित हो चुका है कि शिक्षा हर एक

का महत्व और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। यह सर्वविदित है जो समाज जितना अधिक शिक्षित होगा उसके विकास की आधारभूत संरचना उतनी की दृढ़ होगी। कैबिनेट मंत्री शुऋ्रवार को देश की प्रथम महिला अध्यापक एवं समाज सेविका सावित्री बाई फुले की जयन्ती पर गांव झाड़सा में आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। राव नरबीर सिंह ने माता सावित्री बाई पुले को श्रद्धासुमन अर्पित

ही महत्वपूर्ण हो जाती है। सावित्री बाई पुले के द्वारा जलायी गयी ज्योति आज के समय में और अधिक प्रासंगिक है। क्योंकि जिस समाज के भीतर स्त्रियाँ अधिक जागरूक होती है वह समाज कहीं अधिक विकसित होता है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए एक लंबा संघर्ष करना पड़ा। ऐसे में जब देश में राजनीतिक गुलामी के साथ-साथ सामाजिक गुलामी का भी दौर था, तब सावित्रीबाई पुले ने शिक्षा के महत्व को जाना, समझा और महिलाओं की आज़ादी के नए द्वार खोलकर उनमें नई चेतना का सृजन किया जो हम सभी के लिए आज भी प्रेरणा का विषय है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हमें सावित्रीबाई पुले का योगदान सिर्फकुछ जातियों के विकास तक सीमित रखने के दृष्टिकोण से नही देखना चाहिए। उन्हें सिर्फसमाज सुधारक कहकर उनके द्वारा किए गए



कार्यों को सीमित नहीं किया जा सकता। स्त्री जीवन को गौरवान्वित कर समाजिक न्याय का जो पथ प्रदर्शन किया था। आज हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी उन्ही विचारों से प्रेरणा लेकर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के साथ साथ सर्वसमाज के हितों को ध्यान में रखते हुए निरन्तर उनके सामाजिक उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अथक मेहनत करते हुए हरियाणा प्रदेश

की सेवा के लिए प्रयासरत हैं। निश्चित रूप से हरियाणा आने वाले पांच वर्षों में विकास के नए आयाम को छूएगा। कैबिनेट मंत्री ने इस दौरान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सर्वसमाज से सामुहिक सहयोग का आह्वान भी किया। इस अवसर पर बादशाहपुर के एसडीएम अंकित कुमार चौकसे, संयुक्त आयुक्त अखिलेश यादव, दुष्यंत सैनी एडवोकेट, मंजीत जेलदार, सुंदर गहलोत, ताराचंद

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर एडीसी हितेश कुमार की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

मेवात न्यूज् एक्सप्रेस गुरुग्राम, मोहित सैनी। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर शुऋ्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में बैठक हुई। एडीसी हितेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वरीय पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। एडीसी ने गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर की जाने वाली तैयारियों की जानकारी संबंधित पदाधिकारियों से ली और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एडीसी हितेश कुमार ने निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस की तैयारियों के लिए जिन विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है वे उसे कर्तव्यनिष्ठा से निभाएं और समारोह में आमजन की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करें। एडीसी ने विभागवार जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि हर साल की तरह इस बार भी

जिला स्तरीय कार्यक्रम सेक्टर 38 स्थित ताऊ देवीलाल खेल परिसर के चौधरी सुरेंद्र सिंह मैमोरियल ऋिकेट पवेलियन में आयोजित किया जाएगा। पुल ड्रेस रिहर्सल 24 जनवरी को वहीं पर होगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे स्कूली बच्चों की देशभक्ति से ओत- प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल करवाएं। उन्होंने जिला सैनिक बोर्ड के सचिव को निर्देश दिए कि वे सिविल लाइन स्थित शहीद स्मारक पर साफ सफाई करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समारोह स्थल पर रिहर्सल होगी तब से बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने, स्वास्थ्य विभाग को समारोह स्थल पर एम्बुलैंस की सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस समारोह की तैयारियों तथा

सरकार की विकासात्मक गतिविधियों व जन कल्याणकारी योजनाओं पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को ड्यूटियां भी सौंपी। उन्होंने कहा कि सभी विभाग सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों तथा विभागीय

आधारित झांकियां तैयार करने के लिए प्रगति को दर्शाती या प्रदेश एवं देश की गुणवता को दर्शाती झांकियां निकालेंगे। नई कहानी आंदोलन में साहित्यकार मोहन राकेश का रहा बड़ा योगदान

उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समारोह स्थल पर सुरक्षा के लिहाज से पुलिस कर्मियों की डयूटियां लगाएं।

एडीसी ने कहा कि इस समारोह में भव्य परेड का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें हरियाणा पुलिस, एनसीसी, स्काउटस, प्रजातंत्र के प्रहरी सहित अन्य टुकड़ियां भाग लेंगी।

समारोह के अंत में राष्ट्रीय गान की प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस बार भी जिला में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। आवेदन संबंधित अधिकारी के कार्यालय में 20 जनवरी तक भेजे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी ठीक तरह से समझ लें और यदि किसी प्रकार का संशय हो तो समय रहते दूर कर लें। इस अवसर पर सीटीएम कुँवर आदित्य विक्रम, नगर निगम गुरूग्राम के संयुक्त आयुक्त डॉ जयवीर यादव व विशाल, डिप्टी सीएमओ डॉ प्रदीप, जिला सैनिक बोर्ड के सचिव कर्नल अमन यादव, डीईओ इंदु बोकन, डीआईपीआरओ मूर्ति, एलडीएम अशोक जुलाहा सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीजेएम ने भोंडसी जेल का किया निरीक्षण

जेल में लोक अदालत का आयोजन किया

पांच बंदियों को रिहा करने के दिए आदेश

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस गुरुग्राम, मोहित सैनी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रमेश चंद्र ने भोंडसी स्थित जिला कारागार का निरीक्षण किया और लोक अदालत में बंदियों के मामलों व शिकायतों की सुनवाई की। इस दौरान सीजेएम ने पांच बंदियों को रिहा करने के आदेश जारी किए। सीजेएम रमेश चंद्र ने आज भोंडसी जिला कारागार का निरीक्षण किया। उन्होंने जेल में रह रहे पुरुष व महिला बंदियों के साथ बातचीत की और उनसे उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने कहा कि कड़ी सर्दी के मौसम को देखते हुए बंदियों को उचित सुविधाएं मुहैया होनी चाहिए। बंदियों के स्वास्थ्य की जेल में नियमित रूप से जांच की जाए। जेल की बैरकों में सपाई व्यवस्था दुरुस्त



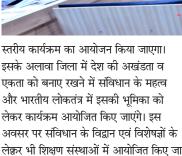
रहनी चाहिए। जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट सत्यभान ने सीजेएम को बताया कि जेल में सभी बंदियों की सही ढंग से देखभाल की जा रही है। निरीक्षण के बाद सीजेएम की अध्यक्षता में जेल परिसर में लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में 21 मामलों की सुनवाई की गई। जो लोग छोटे जुर्म के मामलों में पिछले कई दिनों से जेल में बंद थे और

जिनकी सजा की अवधि पुरी हो चुकी थी, ऐसे पांच व्यक्तियों को जुर्म का इकबाल तथा भविष्य में सभ्य नागरिक की तरह रहने की स्वीकारोक्ति के बाद सीजेएम ने रिहा करने के आदेश दिए गए। इन पांचों बंदियों ने जीवन में पहली दफ छोटी चोरी-चकारी जैसा अपराध किया था और वे सजा का समय पूरा

सविधान दिवस की हीरक जयती

कॉलेजों में किया गया था। इसी कड़ी में जनवरी माह में भी इन कार्यऋमों की श्रृंखला जारी रहेगी।

स्लोगन के साथ जिला की यूनिवर्सिटी, कॉलेज तथा राजकीय विद्यालयों में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी, पोस्टर मेकिंग, भाषण प्रतियोगिताएं आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। इसके लिए अभी से तैयारियां आरंभ कर दें और दस जनवरी से ये कार्यऋम शुरू हो जाने चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि 26 जनवरी, 1949 को हमारा संविधान बनकर तैयार हो गया था। केंद्र सरकार की ओर से इस महत्वपूर्ण दिवस की हीरक जयंती मनाई जा रही है। वर्ष 1950 में 26 जनवरी के दिन भारतीय संविधान को पूरी गरिमा के साथ देश में लागू किया गया था। जिसकी वर्षगांठ हम हर साल धूमधाम से गणतंत्र दिवस समारोह के रूप में मनाते हैं। इस साल गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले 25 जनवरी को संविधान सभा के सदस्यों की स्मृति में जिला



सकते हैं। जिससे कि हमारी भावी पीढ़ी को

संविधान की पूरी जानकारी मिल सके। इस अवसर पर एडीसी हितेश कुमार, बादशाहपुर के एसडीएम अंकित चौकसे, गुरुग्राम के एसडीएम रविंद्र कुमार, सोहना के एसडीएम होशियार सिंह, मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव, नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम, तहसीलदार शिखा गर्ग, जिला शिक्षा अधिकारी कैप्टन इंदु बोकन कसाना इत्यादि मौजूद रहे।

प्रमुख साहित्यकार मोहन राकेश का उदय उस समय हुआ, जब स्वाधीनता के बाद 50 के दशक में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ज्वार देश में जीवन के हर क्षेत्र को स्पन्दित कर रहा था। उनके नाटकों ने न सिर्फ़नाटक का आस्वाद, तेवर और स्तर ही बदल दिया, बल्कि हिन्दी रंगमंच की दिशा को भी प्रभावित किया। आधुनिक हिन्दी साहित्य काल में मोहन राकेश ने अपने लेखन से दूर होते हिन्दी साहित्य को रंगमंच के करीब ला दिया और स्वयं को भारतेन्द्र हरिश्चंद्र और जयशंकर प्रसाद के समकक्ष खड़ा कर दिया। शिक्षाविद् संदीप जौहरी ने साहित्यकार

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। नई कहानी आंदोलन के का प्रभाव मोहन राकेश पर भी पड़ा। मोहन राकेश ने पहले लाहौर के ओरियंटल कॉलेज से शास्त्री की परीक्षा पास की। किशोरावस्था में सिर से पिता का साया उठने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेज़ी में एमए किया। एक शिक्षक के रूप में पेशेवर जिदगी की शुरुआत करने के साथ ही उनका रुझान लघु कहानियों की ओर हुआ। बाद में उन्होंने कई नाटक और उपन्यास लिखे। बाद में अनेक वर्षों तक दिल्ली, जालंधर, शिमला और मुम्बई में अध्यापन कार्य करते रहे। जौहरी ने कहा कि मोहन राकेश हिंदी साहित्य के मोहन राकेश को उनकी पुण्यतिथि पर उन चुनिंदा साहित्यकारों में हैं जिन्हें 'नयी याद करते हुए कहा कि उनका जन्म 8 कहानी आंदोलन' का नायक माना जाता 1925 को पंजाब के अमृतसर है और साहित्य जगत् में अधिकांश लोग

में हुआ था। पिता की साहित्यिक रुचि

उन्हें उस दौर का 'महानायक' कहते हैं। उन्होंने 'आषाढ़ का एक दिन' के रूप में हिंदी का पहला आधुनिक नाटक भी लिखा। कहानीकार-उपन्यासकार प्रकाश मनु भी ऐसे ही लोगों में शामिल हैं, जो नयी कहानी के दौर में मोहन राकेश को सर्वोपरि मानते हैं। प्रकाश मनु का कहना था कि नयी कहानी आंदोलन ने हिंदी कहानी की पूरी तस्वीर बदली है। उस दौर में तीन नायक मोहन राकेश, कमलेश्वर और राजेंद्र यादव रहे। खुद कमलेश्वर और राजेंद्र यादव भी राकेश को हमेशा सर्वश्रेष्ठ मानते रहे। उनके उपन्यास अंधेरे बंद कमरे, न आने वाला कल, अंतराल और बाकलमा खुदा प्रमुख थे। इसके अलावा नाटक उपन्यास, कहानी, यात्रा वृत्तान्त, निबन्ध आदि विधाओं में विपुल साहित्य की

गुरुग्राम, मोहित सैनी। संविधान दिवस की हीरक जयंती के अवसर पर जिला की शिक्षण संस्थाओं में विशेष सेमीनार, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग कंपटीशन आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गणतंत्र दिवस समारोह से एक दिन पहले 25 जनवरी को संविधान सभा के सदस्यों को याद करते हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त अजय कुमार ने मुख्य सचिव विवेक जोशी के साथ इस संदर्भ में आयोजित हुई वीडियो कांप्रेंस के बाद अधिकारियों को ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारत में संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नवंबर माह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन सरकारी स्कूलों व



CUET PG 2025 Exams From March 13: Official website, registration fees increased; other changes introduced

The National Testing Agency (NTA) started the application process for Common University Entrance Test Postgraduate (CUET PG 2024) on Thursday, January 2. Along with the CUET PG application form, the NTA has also released this year's CUET PG information bulletin, syllabus and exam pattern at exams.nta.ac.in/CUET-PG/. Several changes are also made to the CUET PG 2025 exam. The application form which was last year earlier hosted on the pgcuet.samarth.ac.in, is now available at a new website exams.nta.ac.in/CUET-PG. The application fee has also been increased for all the categories of candidates.

NMC Releases Applications

The National Medical Commission

email

For Inclusion Of New PG

Medical Qualification

through

this application:

the Parent: Specialty.

Education Board.

D) posts.

Specialities].

a. Standard Assessment Form Part-A [Institutional Information common for all PG

b. Standard Assessment Form Part- B of

All such applications should be accompanied with requisite fee of Rs 2,50,000 plus GST at 18 per cent per qualification and

addressed to the Post Graduate Medical

Railway Board relaxes

educational criteria for

Level-1 posts

The Railway Board has relaxed the

According to the new norms, a Class-

10 pass candidate or the holder of an ITI

diploma or equivalent or the National

Apprenticeship Certificate (NAC) granted

by the National Council for Vocational

Training (NCVT) would be eligible to

apply for the Level-1 posts. Earlier, for

technical departments, it was essential

for an applicant to pass the Class-10 exam and possess the NAC or an ITI

diploma. A written communication from the board to all railway zones dated

January 2 said the issue was reviewed

and the decision taken in supersession of earlier instructions. "It has been decided

by the Board that the minimum

educational qualification for all future

open market recruitments in Level-1

posts (including the upcoming CEN for

Level-1 recruitment) will be 10th pass or

ITI or equivalent or National

Apprenticeship Certificate (NAC) granted

by NCVT." The Level-1 posts in the Indian

Railways include those of assistants for

various departments, pointsmen and

Recruitment Board recently released a

notification to recruit about 32,000

candidates in Level-1 posts, the

application process for which will be held

Railway

track maintainers. he

from January 23 to February 22.

minimum educational qualification norms

for recruitment to Level-1 (erstwhile Group

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

into a central university and other PG participating universities for admission to PG courses will have to go through the changes introduced this year before filling the application

The CUET PG official is exams.nta.ac.in/CUET-PG. The CUET PG official website has uploaded the information brochure, syllabus, answered to frequently asked questions and other details on eligibility, number of subjects, participating universities and colleges. registration fee hiked

The NTA has increased the Applicants desiring to get registration fees for all categories by Rs 200 compared to last year. Candidates belonging to the general category will have to pay Rs 1,400 to register for CUET PG 2025 and those under OBC-NCL/Gen-EWS will have to pay Rs 1,200. Candidates had to pay Rs 600 for additional test papers last year. However this year, for each extra test paper they wish to appear, the general category candidates will have to pay Rs

> Exam cities decreased in India

The NTA has decreased the number of exam city centres for the CUET PG 2025 examination from 300 in 2024 to 285 in India. cities across the globe is however 312. Candidates will be able to select four cities of their choice on the basis of their permanent address or present address. Last year, candidates were able to select only two cities.

Duration of exam

Last year, the exam duration was 105 minutes. However, now the candidates will get only 90 minutes to answer 75 multiple choice questions. A total of 157 subjects are being offered in CUET PG. According to the CUET PG dates, the application form can be filled between January 2 and February 1. The exams are set to be held from March 13 and 31.

Will implement recommendations of expert

The Centre on Thursday told the Supreme Court that it would be implementing all the corrective measures suggested by its seven-member expert panel on exam reforms after reviewing the National Testing Agency's functioning in holding NEET-UG last year. The top court on August 2, last year refused to annul the controversy-ridden NEET-UG of 2024, saying there was no sufficient material on record at present to indicate a systemic leak or malpractice compromising the integrity of the examination. It had also expanded the remit of the seven-member expert panel, headed by former Indian Space Research Organisation (ISRO) chief K Radhakrishnan, to review the functioning of the National Testing Agency (NTA) and recommend exam reforms to make the NEET-UG (National Eligibility cum Entrance Test Undergraduate), transparent and free from malpractices. On Thursday, Solicitor General Tushar Mehta, appearing for the Centre, apprised a bench comprising justices PS Narasimha and Manoj Misra that the Centre-appointed committee has filed its report and the government will be implementing all the recommendations. "We are going to implement all the recommendations and it (matter) can be listed after six months," the law officer said. "The matter is adjourned for three months. List this special leave petition in the month of April," the bench said. The entire report has not been placed on the records as it also contained some details regarding issues like printing of questions etc. On October 21 last year, the top court had extended the time granted to the

panel to file its report on exam reforms. The NEET-UG is conducted by the NTA for admission in undergraduate medical programs. While expanding the scope of the expert panel, the top court had flagged multiple lapses on the part of NTA like the security breach at an examination centre in Jharkhand's Hazaribagh where the rear door of the strongroom was opened and unauthorised people were permitted to access question papers, transportation of question papers by e-rickshaws and distribution of wrong set of question papers among the candidates. Besides Radhakrishnan, other members of the expert committee are Randeep Guleria, B J Rao, Ramamurthy K, Pankaj Bansal, Aditya Mittal and Govind Jaiswal. The bench said the remit of the committee, in addition to the tasks that it has been entrusted with by the Union government and the NTA, shall encompass examination security and administration, data security and technological enhancements. Its responsibilities will also include policy stakeholder engagement, collaboration and international cooperation, and recommendations for providing mental health support to students and training of NTA staff, it said. Over 23 lakh students took up the NEET-UG in 2024 for admissions to MBBS, BDS, AYUSH and other related courses. In November last year, the top court dismissed a petition seeking review of the August 2 verdict by which it had refused to allow a fresh NEET-UG 2024 examination.

School enrollment registers unprecedented drop of 1 crore since 2018-19, officials cite data cleanup

For the first time in many years, enrolment of students in schools, as per a UDISE+ report, has declined by over a crore in 2022-23 and 2023-24 compared to an average of about 26 crore every year over the previous four years, with the drop being attributed by officials to improved data collection methods that eliminated duplicate entries.

UDISE is India's comprehensive database on school education, and serves as a crucial tool for monitoring and evaluating the quality of education from pre-primary to higher secondary levels. This report is prepared by the Education Ministry based on data fed directly by the states on parameters such as enrolment, number of teachers, and number of schools. The latest report shows that school enrolment stayed above 26 crore from 2018-19 to 2021-22, with slight increases of a few lakh students each year. While there was a small dip during the Covid year of 2020-21, the numbers remained above 26 crore throughout this period. For the first time, enrolment figures fell to 25.17 crore in 2022-23 and further declined to 24.8 crore in 2023-24. This represents a drop of about 1.55 crore students (nearly 6 per cent) from the 2018-19 to 2021-22 period, when enrolment averaged 26.36 crore.

Ministry officials acknowledged the drop in enrolment but said it stemmed from revised data collection methods implemented in 2022-23. Under the new system, schools must now provide student-specific information rather than just school-level numbers. This requires detailed records for each student, including their name, parent's name, address, and Aadhaar number, instead of simply reporting total class numbers. "This may have weeded out certain numbers, like children who may have been enrolled in both a government school and a private one," a senior official said.

The latest UDISE+ report in fact states that the new data collation method would lead to "identification of beneficiaries for benefit transfers of Samagra Shiksha scheme, PM **POSHAN** Scheme, National Scholarship scheme etc" and that this "can bring significant savings to government in future years." But this also means that the government data was inflated by as much for many years. According to government officials, the Ministry of Education has asked states with a significant drop in enrolment figures to explain the drop. Among the states, the largest fall in enrolment in 2023-24 compared to 2018-19 was in

Bihar, where it dipped by 35.65 lakh, followed by Uttar Pradesh (28.26 lakh), and Maharashtra (18.55 lakh). Most states and UTs have recorded a fall in enrolment in 2023-24 compared to 2018-19, except for Andhra Pradesh, Delhi, Jammu and Kashmir, and Telangana.

A senior official in the UP government said that "de-duplication" had helped remove names that may have been repeated. "Kids would get enrolled in government schools for scholarships or other benefits, and may also have been enrolled in private schools, resulting in multiple entries that have now been removed. The data is now Aadhaar-linked," the official said. However, officials in Maharashtra said the use of Aadhaar may have also led to some genuine students being left out of the enrolment figures and that the final tally may improve once these teething issues are sorted out. "This happens because of technical issues such as mismatched data. For example, a student's name on Aadhaar and in school-record does not match. Thus, verification remains incomplete until that is corrected on the Aadhaar card. Initially, this was possible with a request on the school's letter-head, now this change has to come from parents who should have their own Aadhaar card. This entire process is time-consuming, thus delaying their inclusion in the total enrolment," said an official.

Compared to the 2018-19 to 2021-22 average, the 2023-24 enrolment data shows a drop in both government (12.74 crore in 2023-24 compared to the fouryear average of 13.5 crore) and private school (around 9 crore in 2023-24 compared to the four-year average of 9.34 crore) enrolment, but a larger drop of around 5.59% in government schools against a 3.67% drop in private ones. Similarly, enrolment among both boys and girls dropped, but marginally higher for boys. A total of 12.87 crore boys were enrolled in 2023-24, a drop of around 6.04% compared to an average of 13.7 crore from 2018-19 to 2021-22. Around 11.93 crore girls were enrolled in 2023-24, compared to the four-year average of 12.66 crore. The drop in 2023-24 compared to the four-year average has been seen in the primary (Classes 1 to 5), upper primary (Classes 6 to 8), and secondary (Classes 9 and 10) levels. In contrast, the pre-primary and higher secondary (Classes 11 and 12) levels have seen an increase in enrolment in 2023-24, compared to the 2018-19 to 2021-22 average.

panel on NEET-UG exam: Centre to SC Centre-appointed seven-member expert

(NMC) has released a notification inviting eligible medical colleges/institutes to submit proposals for addition of new medical qualifications etc. Stakeholders can visit the official website of the NMC website for detailed information. An official notification by the NMC reads, "All medical colleges/ institutes are informed to submit proposals for addition of new medical qualifications which has not been included in the Annexure-1, II, III, IV, V and VI of Post Graduate Medical Education Regulations-2023 to this Board, pgmeb.recognition@mc.org.in and through post. No medical college/ institute should run any PG medical qualification (including PDCC, PDF, etc.) without the approval of this commission, failing which this commission will be forced to take action as per provisions of Section 9.1 and 9.2 of the Post Graduate Medical Education Regulations - 2023 and Section 8(1) and 8(2) of Maintenance of Standards of Medical Education Regulations -NMC lays down rules and regulations for the inclusion of new medical qualifications in institutions. As per the Regulation "Any institution conferring undergraduate or postgraduate or superspecialty medical qualification may apply to the concerned Board, along with such documents and information, for inclusion of any new medical qualification, which is not already included in the list." The notification also mentions the mandatory requirements that needs to be submitted along with the application forms. As per the official notice, the following annexure are to be attached with

एनसीसी में 40% हुई बालिका कैडेटों की हिस्सेदारी, गणतंत्र दिवस शिविर में शामिल होंगी ९१७ लड़कियां

राष्ट्रीय कैडेट कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गरबीरपाल सिंह ने दिल्ली छावनी में चल रहे एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर और कोर के भविष्य के रोडमैप के बारे में जानकारी साझा की। प्रेस वार्ता में वरिष्ठ अधिकारियों ने शुऋवार को बताया कि एनसीसी में बालिका कैडेटों की संख्या 40 प्रतिशत हो गई है और अगले कुछ वर्षों में कोर के लिए चरणबद्ध विस्तार की योजना बनाई गई है।

917 बालिकाएं लेंगी गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में हिस्साः 30 दिसंबर से शुरू हुए एक महीने तक चलने वाले गणतंत्र दिवस शिविर में देश भर से कुल 2,361 एनसीसी कैडेट हिस्सा ले रहे हैं। 2,361 एनसीसी कैडेटों में से 114 जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से और 178 पूर्वोत्तर क्षेत्र से हैं। इस वार्षिक कार्यक्रम में 917 बालिका कैडेट भी भाग लेंगी, जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। एनसीसी के महानिदेशक ने बताया कि इस शिविर में 15 से अधिक मित्र देशों के कैडेट भाग लेंगे। उन्होंने कहा. ÷हमने सभी की भलाई के लिए सर्व धर्म पूजा के साथ इसकी शुरुआत की... इस वर्ष हमारे पास प्रतियोगिता की एक नई श्रेणी भी है -विचार और नवाचार।÷

एनसीसी में 40 फीसदी लडिकयां: एनसीसी में विस्तार योजना और बालिका कैडेटों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कोर की स्वीकत संख्या 20 लाख है और वर्तमान में इसकी संख्या 17 लाख है। उन्होंने कहा कि कुल संख्या में बालिका कैडेटों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है। ब्रीफिंग के दौरान एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में बालिका कैडेटों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है और एनसीसी के लिए चरणबद्ध विस्तार की योजना बनाई गई है। गणतंत्र दिवस शिविर का मूल उद्देश्य भाग लेने वाले कैडेटों में देशभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व के गुणों को विकसित करना है। यह वार्षिक कार्यऋम कैडेटों को प्रशिक्षण, सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने और सामाजिक सेवा पहलों में भाग लेने के लिए बहुमूल्य अवसर प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिससे एकता और गौरव का पोषण होता है।

परीक्षा पे चर्चा के लिए अब तक मिले 1.5 करोड़+ आवेदन, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि नजदीक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ आयोजित होने वाले कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा 2025 (क्क्क्स 2025) के लिए पंजीकरण प्रक्रिया वर्तमान में चालू है। इसके लिए इच्छुक छात्र, शिक्षक और अभिभावक आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण प्रक्रिया 14 दिसंबर, 2024 से शुरू हुई और 14 जनवरी, 2025 तक जारी रहेगी। आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, अब तक 1 करोड़ 57 लाख से अधिक लोगों ने इस कार्यऋम के लिए पंजीकरण कराया है।

अब तक 1.57 करोड आवेदन प्राप्त हए

आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा है कि 2 जनवरी दोपहर 02-00 बजे तक के आंकडों के अनुसार, अब तक परीक्षा पे चर्चा 2025 के लिए कुल 1.57 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया है। इसमें 145.34 लाख से ज्यादा छात्र. 9.90 लाख से अधिक शिक्षक और 1.90 लाख+ अभिभावक शामिल हैं। परीक्षा पे चर्चा 2025 के लिए प्रतिभागियों का चयन करने के लिए एक ऑनलाइन बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। कक्षा 6 से 12 तक के पात्र छात्र, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ, आधिकारिक वेबसाइट innovateindiav.mygov.in के माध्यम से इसके लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

पंजीकरण प्रक्रिया: - परीक्षा पे चर्चा 2025 के लिए अभ्यर्थी अपनी श्रेणी के आधार पर अलग-अलग तरीकों से पंजीकरण करा

- कक्षा 6 से 12 तक के छात्र स्व-भागीदारी विकल्प का उपयोग करके व्यक्तिगत रूप से साइन अप कर सकते हैं। जिनके पास इंटरनेट एक्सेस, ईमेल आईडी या मोबाइल नंबर नहीं है, वे अपने शिक्षक के लॉगिन के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं।

- शिक्षक आधिकारिक वेबसाइट पर भी पीपीसी 2025 के लिए पंजीकरण करा सकते हैं।

- कक्षा 6 से 12वीं तक के स्कुल जाने वाले बच्चों के माता-पिता अभिभावक श्रेणी के तहत पंजीकरण कर सकेंगे।

क्याहै परीक्षा पे चर्चा?

परीक्षा पे चर्चा हर साल कक्षा 6 से 12वीं तक के छात्रों को परीक्षा से जुड़े तनाव और दबाव से निपटने में मदद करने के लिए आयोजित की जाती है। इस इंटरैक्टिव सत्र में प्रतिभागी सीधे प्रधानमंत्री से सवाल पूछ सकते हैं। छात्र अधिकतम 500 अक्षरों में अपने सवाल भेज सकते हैं। यह परीक्षा पे चर्चा का आंठवां संस्करण होगा, जो छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी अभिभावकों और शिक्षकों से भी जुड़ेंगे और छात्रों को उनके सपनों और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

किसानों को उर्वरक सिब्सडी के बजाय उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन दिए जाएं

मोंटेक का सरकार को सुझाव

नर्ड दिल्ली. एजेंसी। सरकार को उर्वरक सब्सिडी देने के बजाय किसानों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लानी चाहिए क्योंकि इससे (उर्वरक सब्सिडी) से किसानों को लाभ होने के बजाय नुकसान हो रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष रहे मोंटेक सिंह अहलुवालिया ने यह सुझाव दिया है। एक विशेष बातचीत में अहलूवालिया ने एएनआई को बताया कि उर्वरकों जैसे विशिष्ट इनपुट का समर्थन करने के बजाय सब्सिडी के लाभों को सीधे किसानों तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि उर्वरक सब्सिडी न केवल उर्वरक उद्योग को लाभ पहुंचा रही है, बल्कि अत्यधिक उपयोग के कारण मिट्टी के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा, कई कृषि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि उर्वरक सब्सिडी पर बड़ी रकम खर्च करने के बजाय, हम किसानों को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन राशि दे सकते हैं। कम से कम, हमें केवल एक इनपुट पर सब्सिडी देना बंद कर देना चाहिए।



महाराष्ट्र तैयार करेगा एआई पॉलिसी, मंत्री शेलार ने विभाग को दिए निर्देश; रोजगार में मिलेगा लाभ

महाराष्ट्र जल्द ही एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नीति तैयार करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य राज्य में व्यवसायों और उद्योगों को बढ़ावा देना और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करना है।

मसौदा तैयार करने के दिए निर्देश

राज्य के सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार ने इस नीति के मसौदे को तैयार करने का निर्देश दिया है और कहा है कि इस नीति के माध्यम से एआई की परिवर्तनकारी क्षमता का उपयोग करके महाराष्ट्र को एक मजबृत आर्थिक खिलाड़ी बनाया जा सकता है। मंत्री शेलार ने अधिकारियों के साथ बैठक में बताया कि एआई तकनीक का उपयोग करते हुए राज्य को उद्योगों को आकर्षित करने, रोजगार सृजन करने और तकनीकी क्षेत्र में नेतृत्व स्थापित करने का एक बड़ा अवसर मिल

मार्च में हुई थी एआई मिशन की शुरुआत

शेलार ने यह भी उल्लेख किया कि मार्च में भारत सरकार ने एआई मिशन की शुरुआत की थी, जिसमें 10,372 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। यह मिशन एआई डेटासेट प्लेटफॉर्म, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट्स, इंडिया एआई इनोवेशन सेंटर, फ्यूचर स्किल्स प्रोग्राम और स्टार्टअप्स को वित्तपोषित करने जैसी पहलों पर केंद्रित है। मंत्री के अनुसार, महाराष्ट्र को इन राष्ट्रीय प्रयासों के साथ जुड़कर एआई ऋांति का अग्रणी हिस्सा बनना चाहिए। केंद्र सरकार ने जनवरी 2025 से भारत एआई डेटासेट प्लेटफॉर्म को शक्ति प्रदान करने के लिए गैर-व्यक्तिगत डेटासेट के संग्रह की योजना बनाई है। मंत्री शेलार ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र को भारत की तकनीकी प्रगति में अग्रणी बनने और वैश्विक एआई नेता बनने के राष्ट्र के दृष्टिकोण में योगदान देने का प्रयास करना चाहिए।

अधिकारी और जनप्रतिनिधि जनसंवाद कार्यक्रमों में एक साथ बैठकर बनायेंगे विधानसभा वार विजन डॉक्यूमेंट

मंशा के अनुसार इंदौर संभाग में सभी अधिकारी और जनप्रतिनिधि एक साथ बैठकर जनसंवाद कार्यक्रम करेंगे। इन जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से विधानसभा क्षेत्रवार विजन डॉक्यूमेंट बनाये जाएंगे। संभाग में जल जीवन मिशन के तहत अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। संभाग में राज्य शासन के निर्देशानुसार चलाये जा रहे राजस्व महा अभियान और जनकल्याण अभियान के लक्ष्य लगभग पर्ण कर लिए गए हैं। जानकारी संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में वर्च्अली रूप से सम्पन्न हुई कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में दी गई। इस कॉन्फ्रेंस में इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह सहित संभाग के जिलों के कलेक्टर्स और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार बनाये जाने वाले विजन डॉक्यूमेंट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों और आमजन के साथ बैठकर जनसंवाद कार्यक्रम करें। इसके माध्यम से विधानसभा तथा जिलेवार विजन डाक्युमेंट बनायें। उन्होंने राजस्व महा अभियान की प्रगति की भी जिलेवार समीक्षा की।

इस अवसर पर बताया गया कि महा अभियान के लगभग सभी विषयों के लक्ष्यों को पर्ण कर लिया गया है। जानकारी दी गई कि अभियान के तहत संभाग में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरस्ती तथा परम्परागत रास्तों के प्रकरणों के लक्ष्य लगभग पूर्ण हो गए हैं। संभाग में नामांतरण के 10 हजार 59, बंटवारे के 504, सीमांकन के 494, अभिलेख दुरस्ती के 313, परम्परागत रास्तों के चिन्हांकन के 101 प्रकरण निराकृत किये गए है। इसी तहत नक्शे में बटांकन के एक लाख से अधिक, फार्मर रजिस्ट्री के 4 हजार 557 प्रकरण निराकृत किये गए हैं। संभाग में 70 वर्ष और इससे अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के कार्य की प्रगति की समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर बताया गया कि संभाग में 70 हजार 857 आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। संभागायक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि शेष लक्ष्य भी अतिशीघ्र पूरे किये जाएं। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि संभाग में मिशन के तहत 4 हजार 94 गांवों में जल परियोजना स्वीकृत की गई थी। इसमें से 4 हजार 81 गांवों में कार्य प्रारंभ कर दिये गए। इनमें से 3 हजार 40 गांवों में कार्य पूरा हो गया है। श्री सिंह ने कहा कि शेष गांवों में अभियान चलाकर कार्य जारी वित्तीय वर्ष के पूर्व पूर्ण किये जाएं। योजना के ऋियान्वयन में किसी भी तरह की लापरवाही और उदासीनता उदासीनता बरतने पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्ण योजना ग्राम पंचायतों को शीघ्र अंतरित कर दी जाए। उन्होंने कहा कि जनकल्याण अभियान के तहत लक्ष्य के अनुसार लोक कल्याण शिविरों का आयोजन हो और प्राप्त आवेदन पत्रों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए। अगर किसी कारणवश आवेदन अस्वीकृत करना पड़े तो उसकी समीक्षा भी की जाए। जनकल्याण अभियान के लक्ष्य 26 जनवरी के पहले ही पूर्ण करने के प्रयास किये जाए। उन्होंने सुशासन अभियान चलो गांव की ओर प्रगति की भी समीक्षा की। धरती आबा योजना के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति के सभी पात्र व्यक्तियों को आधार कार्ड उपलब्ध कराने, समग्र आईडी बनाने, आयुष्मान कार्ड बनाने, जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने और प्रोफाइल पंजीयन करने

के संबंध में बैठक

आयुक्त द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण

स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइड लाइन अनुसार किए गए कार्यों की भी समीक्षा

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए, सर्वेक्षण की तैयारियो के संबंध में सीटी बस आफिस में समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में समस्त अपर आयुक्त, विभाग प्रमुख, स्वास्थ्य अधिकारी, झोनल अधिकारी, सीएसआई, एनजीओ प्रमुख व अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर शासन की गाइड लाईन अनुसार स्वच्छ सर्वेक्षण के निर्धारित मापदंड का किस प्रकार से निगम स्तर से पालन किया जाता है किस प्रकार से स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के तहत कार्य किये गए है के संबंध में निगम अधिकारियों को विस्तार से प्रेजेटेशन के माध्यम से

इस अवसर पर स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत निर्धारित मापदंड अनुसार शहर में डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य, सेग्रिगेशन कार्य, 3 आर, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सिंगल यूज प्लास्टि, सी एंड डी वेस्ट निपटान, लीगेसी वेस्ट का निपटान, सफाई मित्र सुरक्षा, सीटीजन फीडबेक. शहर के पर्यटक स्थानो की सफाई. सेग्रिगेशन, 6 बिन, जलीय संरचनाओ की सफाई, आवासीय एवं व्यवसायिक क्षेत्रो में साफ सफाई, स्वच्छ बेकलेन, रेड व येलो स्पॉट पर कार्यवाही, नालो और बरसाती नालियों की सफाई, झुग्गी बस्तियों में साफ-सफाई, सौन्दर्यपरक और शहर का सौन्दर्यीकरण, स्कुलो में साफ-सफाई, सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालय व मुत्रालय की सफाइ, रिसायकल एवं उपचारित कचरे का पुनः उपयोग,

टीटेड वॉटर के उपयोग के साथ ही निगम स्तर से किये गये कार्यो के संबंध में विस्तार से प्रेजेटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। आयुक्त वर्मा द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइड लाईन अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए, प्रातःकाल आंवटित झोन/वार्ड क्षेत्र में लगातार मॉनिटरिंग करने, यहां-वहां कचरा फैंकने वाले के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करने, डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन का समय से निर्धारित क्षेत्रो में पहुंचे यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही शहर में स्थित सार्वजनिक शोचालय व मुत्रालय की सफाई व्यवस्था, उद्यान में सफाई व्यवस्था, युरिनल व्यवस्था, शहर के प्रमुख चौराहो व स्थानो पर रेड स्पॉट करने वाले के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। साथ ही स्लम बस्तियों की सफाई व्यवस्था, नागरिको में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता अभियान के माध्यम से स्वच्छता के प्रति प्रेरित करना. शहर में दीवारो व अन्य स्थानो पर अवैध रूप से लगने वाले बोर्ड, पेम्पलेट आदि को हटाने की कार्यवाही करने, निर्माणधीन भवनों को ग्रीन नेट से कवर करने, सी एंड डी वेस्ट को अनिवार्य रूप से हटाने, पर्यटन व दार्शनिक स्थानो की सफाई व्यवस्था, शासकीय व अशासकीय विद्यालय में शौचालय सफाई की व्यवस्था के साथ ही स्कुल विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग खंडवा द्वारा नंदीशाला योजना में शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त

इंदौर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग खंडवा ने अपनी वार्षिक प्रगति के विवरण में बताया है कि आचार्य विद्या सागर डेयरी योजना में 43 प्रतिशत, नंदी शाला योजना में शत प्रतिशत, समोन्नत मुरराह पाड़ा योजना में शत प्रतिशत, बैंक ऋग एवं अनुदान योजना में शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई है। दूध, अंडा, मांस उत्पादन में भी उल्लेखनीय उपलब्धि मिली है। पशु पालकों की आय में भी वृद्धि हुई है। चिलत पशु चिकित्सा इकाई भी कार्यरत है। पशु कृत्रिम गर्भधान में सोरटेड सीमन का उपयोग किया जाता है। राष्ट्रीय पशु धन मिशन, बकरी पालन में भी हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा हैं। पशुओं में रोग नियंत्रण हेतु टीकारण में 93.33 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त हुई है। पशुपालकों को घर पहुंच सुलभ पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध करवाई जा रही है। इसी प्रकार खंडवा जिले में दुग्ध संकलन 13 हजार 400 लीटर प्रतिदिन से बढ़कर 16 हजार लीटर प्रतिदिन हो गया है।

मेला ०६ जनवरी को

इंदौर। जिले के बेरोजगार आवेदकों को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय (युवा संगम) रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रोजगार मेले का आयोजन 06 जनवरी 2025 सोमवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दानगर इन्दौर में किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरा अवसर के साथ-साथ व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रकिया के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। साथ ही रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे-इन्दौर स्टील, विशाल फेब, रूपमा मोजेक वर्क स्कील अल्ट्रोज टेक्नोलॉज, पटेल मोटर्स, नवशक्ति बॉयो कॅयर, उर्जा टेक

ओवरसिज, बी-एबल आदि कम्पनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कम्पनियों द्वारा लगभग 300 से अधिक विभिन्न पदों जैसे सेल्स एक्जिकटीव, टेलीकॉलर, पेकिंग, टीमलिडर, सैल्स, बैकआफिस, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, टेलर, सुरक्षा गार्ड आदि पदों हेत् आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे। उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में उत्तीर्ण एवं तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई के आवेदक भी उक्त पदों हेत् रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार मेले में सम्मिलत होने वाले आवेदक अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियों एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे आधार कार्ड आदि

बांग्लादेश में नई स्कूली किताबों में बदवाल पर छिड़ी बहस

आई0एफ0एफ0

बांग्लादेश ने फैसला किया है। कि प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के लिए नई पाठ्यपुस्तकों में दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान को 1971 में देश की स्वतंत्रता की घोषणा करने वाले के रूप में शामिल किया जाएगा। इससे एक बार फिर बहस छिड़ सकती है। न्यूज वेबसाइट डेली स्टार की एक रिपोर्ट में बुधवार

पाठयपस्तक बोर्ड के अध्यक्ष एकेएम रियाजल हसन के हवाले से कहा गया, 2025 शैक्षणिक वर्ष के लिए नई पाठ्यपुस्तकों में लिखा होगा कि 26 मार्च, 1971 को जियाउर रहमान ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की और 27 मार्च को उन्होंने बंगबंधु (शेख मुजीबुर रहमान) की ओर से स्वतंत्रता की एक और घोषणा की।

के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों भी

आवश्यक रूप से साथ लेकर

एक दिवसीय रोजगार अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरफ्त में

इंदौर। शहर में अपराधों पर नियंत्रण हेत् अवैध मादक पदार्थ के ऋय विऋय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह व पुलिस उपायुक्त हंसराज सिंह के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रामसनेही मिश्रा व सहायक पुलिस आयुक्त तुषार सिंह के द्वारा प्रतिदिन थाना क्षेत्र में भ्रमण कर संदिग्धों की चेकिंग कर प्रभावी कार्यवाही के निर्देशों पर कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना संयोगितागंज ने दो चरस तस्करों को पकड़ा गया है। क्षेत्र में अवैध नशे की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देशों के अनुऋम में थाना प्रभारी संयोगितागंज द्वारा थाना क्षेत्र में अवैध रूप से मादक पदार्थ के ऋय विऋय को रोकने एवं

अंतर्गत थाना स्टाफ की एक टीम बनाकर रवाना की गई। मुखबिर तंत्र को सिऋय किया गया जिससे जानकारी मिली कि थाना क्षेत्र में सुनसान इलाकों में अवैध मादक पदार्थ का काम करने वाले लोग खरीदी बिक्री करने आते हैं। इसी दौरान टीम द्वारा धार कोठी एरिया में सुनसान पड़े इलाके के पास चेकिंग लगाकर संदिग्धों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका जो पुलिस के द्वारा पूछताछ करने पर घबराकर भागने लगा जिसे पुलिस द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया । पकड़े गए व्यक्ति से उसका नाम पता पूछते उसने अपना नाम मोहम्मद आसिफ उम्र 26 साल निवासी पिंजारा बाखल बम्बई बाजार थाना पंढरीनाथ इंदौर का होना बताया। जिससे पूछताछ एवं तलाशी लेने पर उसके पास अवैध मादक पदार्थ 444 ग्राम चरस जप्त की ।आरोपी मोहम्मद आसिफ के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस

एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पूछताछ में आरोपी आशिफ ने बताया कि मो.आमिर उम्र 24 साल निवासी नया पीठ छत्रीबाग के पीछे थाना पंढरीनाथ से खरीदी थी। जिस पर पुलिस टीम द्वारा उक्त आरोपी मो.आमिर को पकड़ा गया जिससे पूछताछ करते जुर्म स्वीकार करने पर सदर अपराध में धारा 8/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में लिया गया है जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। पूछताछ पर से अवैध मादक पदार्थ चरस बेचने वाली गैंग के अन्य आरोपियों के पकड़े जाने की संभावना है। प्रकरण में विवेचना जारी है, जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी संयोगितागंज सतीश कुमार पटेल, उनि.अरविंद खत्री, उनि. रमेशचंद्र मोनिया,उनि. सीमा मुवेल, की

सैनिक सम्मेलन 07 जनवरी को

इंदौर। जिले के पूर्व की विधवाओं एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के निराकरण के लिए सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन तहसील कार्यालय सांवेर में 07 जनवरी 2025 को प्रातः 11.30 बजे से आयोजित होगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी इंदौर अध्यक्षता करेंगे। इंदौर तहसील क्षेत्र, सांवेर एवं आस-पास के क्षेत्रों

आश्रितों से आग्रह किया गया है कि इस आयोजन में सम्मिलित होकर अपनी शिकायत, समस्याओं का निराकरण करवायें। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों हेतु संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। यह जानकारी जिला कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.) ने दी है।

हिंसा की ७७ फीसदी घटनाएं अकेले मणिपुर से...

जातीय हिंसा से त्रस्त घायल मणिपुर को समाधान का इंतजार है। मणिपुर जलता रहा और किया। वहां हालात बेहद खराब रहे हैं। गृह मंत्रालय को ताजा रपट से यह स्पष्ट है। वर्ष 2023 में समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुई हिंसा में से 77 फीसद घटनाएं मणिपुर में हुई।

वहां बहुसंख्यक मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में सैकड़ों नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान गई। महिलाओं पर अत्याचार के जिस तरह के वीडियो आए, वे किसी भी सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा थे। वहां तीन मई, 2023 को मैतेई और कुकी समुदायों के बीच बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा भड़क उठी। हिंसा का दौर अभी भी जारी है। जबकि सरकार का दावा है कि बीते कुछ महीनों से स्थिति नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अब जाकर राज्य में हुए जातीय संघर्ष के लिए माफी मांगी है और सभी समुदायों से पिछली गलतियों को भूलने तथा एक साथ रहने की अपील की है। प्रदेश में हुए जातीय संघर्ष में 250 से अधिक लोगों की जान चली गई

है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। यह याद रखा जाएगा कि जब मणिपुर में हिंसा की कई घटनाएं हल ढूंढने में न तो केंद्र ने और न ही राज्य की । राष्ट्रीय सुर्खियां बनीं, तब बीरेन सिंह या केंद्र की सरकार ने कभी राजनीतिक इच्छाशक्ति का इजहार 🛮 सरकार के स्तर पर चुप्पी रही। विपक्षी कांग्रेस तो अब तक यह सवाल पूछ रही है कि प्रधानमंत्री मणिपुर को लेकर चुप क्यों हैं? वे दुनिया भर की यात्रा कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर जाने से परहेज क्यों करते हैं।

दरअसल, वहां की स्थिति से निपटने में अक्षमता के बावजूद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह सत्ता में बने रहे, उनकी पार्टी उनके साथ हठपूर्वक खड़ी रही। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल हुई। अब जबिक, वहां का समाज बुरी तरह से बंट गया और समरसता दूर की कौड़ी हो गई है, बीरेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केंद्र सरकार ने वहां के लोगों को भरोसे में लिए बगैर दो फैसले लिए, जो विवादित रहे, भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाना और मुक्त आवागमन व्यवस्था खत्म करना। इन फैसलों का मणिपुर में कई आदिवासी संगठनों ने विरोध किया। सर्वोच्च न्यायालय ने वहां की स्थिति पर स्वत- संज्ञान लेते हुए निगरानी और जांच समितियां गठित कर दी थीं।

अंतरिक्ष में भारत ने लगाई लंबी छलांग नए साल पर इसरो का १००वां मिशन

अंतरिक्ष मिशन (इसरो) के स्पैडेक्स मिशन की शानदार कामयाबी ने उसे अमेरिका, रूस और चीन की कतार में खड़ा कर दिया है। यह हमारे वैज्ञानिकों के सतत अनुसंधान और उनकी मेधा का प्रतिफल है कि हम आने वाले समय में चांद पर इंसान भेजने का सपना साकार कर पाएंगे। फिलहाल भारत ने दो यानों को अलग करने के बाद उन्हें पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर सभी को चौंका दिया है। इसरो का यह महत्त्वाकांक्षी मिशन था। आगामी सात जनवरी को इस मिशन के तहत जब इन यानों को जोड़ा जाएगा, तब भारत तीन बड़े देशों के बाद यह क्षमता हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। गौर करने की बात है कि एक समय हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम उपग्रहों को ऊपर ले जाने तक सीमित था। जैसे-जैसे भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करता गया. उसके अंतरिक्ष अभियानों को नए क्षितिज मिलते गए। कोई दो मत नहीं कि स्पैडेक्स मिशन की कामयाबी ने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया है।

अंतरिक्ष में भारत ने नई छलांग लगाई है। भारतीय अम्मीद है कि 2035 तक भारत भी अंतरिक्ष में अपना केंद्र स्थापित कर लेगा। अंतरिक्ष यानों को अलग कर लेने और फिर जोड़ लेने के बाद अतारक्ष अन्वषण म नई राहें खुलेंगी। इसरो के इस मिशन की सफलता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भारत शुक्रयान मिशन पर भी काम करना चाहता है, वहीं वह गगनयान मिशन की तैयारी में पहले से जुटा है। अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाना और फिर वापस सुरक्षित लाना इसका मुख्य उद्देश्य है। अभी तक दुनिया के तीन देश ही ऐसा कर पाए हैं। वैसे भी 2040 तक चंद्रमा पर मानव भेजने की हमारी महत्त्वाकांक्षी योजना है। इस लिहाज से देखें, तो इसरो की नई सफलता ने हमारे लिए कई नए दरवाजे खोल दिए हैं। अंतरिक्ष में भारत की उपस्थिति अब और मजबूती से दर्ज होगी। श्रीहरिकोटा से 99वें प्रक्षेपण के बाद हमें अगले अभियान पर भी गर्व होना चाहिए, क्योंकि नववर्ष की शुरूआत में इसरो का सौवां प्रक्षेपण भारत को अंतरिक्ष में नई ऊंचाई पर ले जाएगा। यह उसके सपनों और संकल्प की नई उड़ान भी है, जिन्हें जल्द साकार होते पूरी दुनिया देखेगी।

चमक-दमक के साथ पेश होने पर जोर...

आज के युग में जब चमक-दमक के साथ पेश किए जाने या होने पर जोर दिया जाता है, हर कोई 'स्मार्ट' दिखना चाहता है, तब हो सकता है कि कोई बड़ा कलाकार इसलिए नजरअंदाज कर दिया जाए कि वह

दिखने में साधारण है। या किसी के व्यक्तित्व के बारे में ध्यान दिलाने के लिए रोशनी न डाली जाए तो हम पहचान ही न पाएं कि अंधेरे के किसी कोने में हीरा धूल खाता पड़ा है। यों इसमें हीरे का भी कोई दोष नहीं। यह भी विचित्र है कि दुनिया ने हीरे को नहीं पहचाना। पर वैसे तो दुनिया का भी कोई दोष नहीं। उस हीरे को बनाया ही इसलिए गया था कि वह सबकी नजर में



स्वरांगी साने

कुछ लोग उसे प्रारब्ध कहते हैं, कुछ नियति तो कुछ भाग्य का लिखा। अलग-अलग अवधारणाओं से यही बात निकलकर सामने आती है कि सब कुछ पूर्व निर्धारित होता है। हम किन लोगों से मिलते हैं, उनके साथ जीवन कितने समय का होता है आदि से लेकर हमारे जीवन में कितनी सांसें लिखी हैं, माना जाता है कि उसका लेखा-जोखा भी पहले से लिखा जा चुका है। यह ज्यादातर लोग इसे मानते हैं, लेकिन इसे मानने के अपने खतरे हैं। हम उन खतरों से भयभीत होते हैं। अगर यही समझ लिया कि सब कुछ पहले से लिखा है तो हम पर एक तरह की अकर्मण्यता हावी हो जाएगी। हम कुछ करने के हौसले से खुद को बचा ले जाएंगे। दुसरा खतरा इससे भी विकट है कि हम गहरे अवसाद में भी जा सकते हैं, यह सोचते हुए कि मैं कितना भी हाथ-पैर पटकूं, होना तो वही है, तो मेरे करने का क्या

इस संदर्भ में अगर हम यह मानते हैं कि बिना परम शक्ति के एक पत्ता भी नहीं हिल सकता, तो साथ ही हम यह क्यों न मानें कि वही शक्ति हमें उद्दीप्त कर रही है कि हम कुछ ठोस कदम उठाएं, कुछ काम करें। दुनियावी रंगमंच पर हमें जो भूमिका मिली है, तो उसे



भी पूरी शिद्दत से क्यों न निभाएं? कोई बड़ा काम करने के लिए धन-ऐश्वर्य की आवश्यकता नहीं होती। हमारे जिम्मे जो काम आया है, उसे हम बेहतरीन तरीके से कर सकते हैं। अगर साधन-संपन्न होना ही सुखी होना होता, तो कई बड़े नामी-गिरामी कलाकार आत्महत्या नहीं करते। कुछ तो उनके जीवन में भी उन्हें कचोटता होगा। हमारे दुख अलग हैं तो किसी और के दर्द हमसे जुदा। पर दुख, तकलीफें, पीड़ा सबके जीवन में हैं। जिसने जन्म लिया,

हिस्से उसके अपने कष्ट-भोग हैं और उसे सहना है। हमें तय करना है कि हम कांटों भरा ताज पहनने को तैयार हैं या रोते-बिलखते जिंदगी गुजार देना चाहते हैं।

मनोरंजन के लिहाज से टीवी पर हम जो 'रियलिटी शो' देखते हैं, उसमें हर समय कैमरा हर कोण से उन किरदारों के हाव-भाव, गतिविधियां कैद रहा होता है। वैसा ही कुछ यह हमारा जीवन चल रहा है। छोटे पर्दे पर हम जो देखते हैं, उसके दर्शक हम होते हैं तो हम एक पल के लिए यह मान सकते

हैं कि हमारे जीवन के 'रियलिटी शो' का दर्शक कोई दैवीय ताकत है जो दुनियावी पर्दे पर सब देख रही है। हमारे हाथों में रिमोट होता है, लेकिन कई बार लगता है कि उस शक्ति के पास केवल रिमोट नहीं, हमारी जिंदगी की पूरी पटकथा भी है। अगर हमें मुख्य किरदार की भूमिका मिली है तो उसकी पटकथा भी वैसी ही होगी। हमारा पहनावा, संस्कार, घर-परिवार भी वैसा ही चुना जाएगा। कई बड़े लोगों को उनकी मृत्यु के बाद लोगों ने जाना कि अरे हमारे बीच कोई अलहदा होकर गया! सुकरात को उनके जीवनकाल में कुछ लोगों ने पागल भी कहा था। मुक्तिबोध गहरी विपन्नता में जीकर गए। इसलिए नायक को नायक जैसा दिखना भी हो, यह भी जरूरी नहीं।

आज के युग में जब चमक-दमक के साथ पेश किए जाने या होने पर जोर दिया जाता है, हर कोई 'स्मार्ट' दिखना चाहता है. तब हो सकता है कि कोई बड़ा कलाकार इसलिए नजरअंदाज कर दिया जाए कि वह दिखने में साधारण है। या किसी के व्यक्तित्व के बारे में ध्यान दिलाने के लिए रोशनी न डाली जाए तो हम पहचान ही न पाएं कि अंधेरे के किसी कोने में हीरा धूल खाता पड़ा है। यों इसमें हीरे का भी कोई दोष नहीं। यह भी विचित्र है कि दुनिया ने हीरे को नहीं पहचाना। पर वैसे तो दुनिया का भी कोई दोष नहीं। उस हीरे को बनाया ही इसलिए गया था कि वह सबकी नजर में न आए। मोर तो जंगल में नाचता है, कोई देखे या न भी देखे, उसे कहां फर्क पड़ता है। मीरा का भजन है कि 'बड़े-बड़े नयन दिए मिरगन को, बन-बन फिरत उघारी।' मतलब हिरण बड़ी-बड़ी आंखें खोले जंगल में घूमता रहता है। अगर मोर या हिरण को ही इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई उसे देख रहा है या नहीं, कोई उसकी कद्र कर रहा है या नहीं तो हमें क्यों पड़ना चाहिए।

हम तो मनुष्य हैं और कहने को हम बुद्धि में अन्य जानवरों की तुलना में श्रेष्ठ है। अगर हम बुद्धिमान हैं तो क्या हमें भी इस तरह नहीं सोचना चाहिए कि हमारे बारे में आकलन करने का दूसरों का क्या अधिकार है? हाथी बाजार में चलता है, बिना किसी की परवाह किए! सारी बातों का सार यह है कि हमें किसी भी बात के लिए हाय-तौबा करने की कोई जरूरत नहीं है। दीवार के आगे सिर पटकने से कुछ नहीं होता, यह हमें भी पता है। तो चिंता छोड़ा जाए उन्मुक्त होकर जीना सीख लिया जाए। कुछ काम ऐसे होते हैं, जिसके लिए जमीन-आसमान एक कर दिया तो भी वह

'We Are Trying To Mainstream Mental Health', Says J.P. Nadda

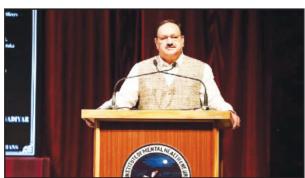
Bengaluru: Union Health and Family Welfare Minister and BJP President, J.P. Nadd, said on Friday that efforts are being made to mainstream mental health in the country. He was delivering a speech during the golden jubilee celebrations of the National Institute of Mental Health and Neurosciences (NIMHANS) in Bengaluru held in the institution's auditorium. Union Minister Nadda said, "I am happy that NIMHANS is providing mental healthcare to lakhs of people, and the footfalls are increasing. About 21 lakh lab investigations are conducted annually,

and people visit the facility from every corner of the country. This demonstrates the care and quality services ensured

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

NIMHANS."He further highlighted that NIMHANS is ranked among the top 200 hospitals in the world.

"This is one of the first institutes of national importance to receive NABH accreditation, which speaks volumes about the patient care provided," Nadda said while praising the hospital. Under the visionary leadership of Prime Minister Narendra Modi, the Union government initiated the National Men-



tal Health Programme in 2022."As part of this initiative, we are refocusing efforts to mainstream mental health and position the country as a primary service provider in this field," Union Minister Nadda added."We understand that along with infrastructure, human resources are also limited. These limited resources need to be developed,

and we must ensure that India becomes a leading mental healthcare provider. An important step in this direction is the introduction of Tele Manas. Currently, there are 53 centres across India, and NIMHANS has trained 2,000 counsellors. Keeping India's diversity in mind, counselling is offered in 20 different languages, ensuring swift and effective communication," he said."Annually, more than 1,000 students are trained for Tele Manas at NIMHANS. I want to assure the President that NIMHANS will follow her guidance in letter and spirit as we move forward," added."When we complete 50 years, it's a time for celebration but also an opportunity to set a new direction and introspect. We must prepare a vision for the next 25 years," he said. "This is a moment of celebration and immense pride. Over these 50 years **NIMHANS** has evolved from a mental hospital to an institute of

national importance.

President Murmu Urges Doctors To Show Sympathy, Compassion To Cancer Patients

New Delhi: President Droupadi Murmu said on Friday that sympathy and compassion from doctors can bring a change to a cancer patient's life. She said this while speaking at the inauguration of the KLE Cancer Hospital at Belagavi in Karnataka." It is the duty of healthcare professionals to provide comprehensive care, which addresses the physical and psychological needs of the cancer patients," the President said. "Every word of sympathy and compassion that a doctor utters has the power to change the life of his

patient for better," she added.Notably, President Murmu also encouraged women to share their problems related to health. She urged family members and society "to take the health of women more seriously and contribute pro-actively in taking care of them and facilitating appropriate timely treatment for them". She said that often the health issues of girls and women are ignored in comparison to boys and men."Any such delay, especially in the case of cancer, could be critical," she said. She also called for a "patient-cen-

tric and equitable, along with being world-class" healthcare system for cancer patients. Further, the President called the need to spread awareness on the causes, diagnosis and treatment of cancer, as many cases occur either due to "ignorance of the patient and family or due to financial constraints". "This delays the diagnosis and treatment of diseases, worsening the outcomes," she said. Sharing global data on cancer, the President said that in 2022, there were an estimated 20 million new cancer cases and 9.7 million deaths worldwide.

Elaborate Arrangements For PM Modi's Visit To Vizag On Jan 8

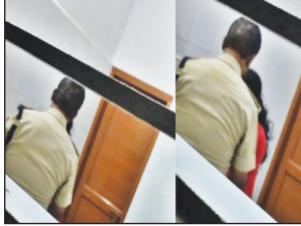
Amravati: The Andhra Pradesh government has been making elaborate arrangements for Prime Minister Narendra Modi's visit to Visakhapatnam on January 8, during which he will launch various development projects. Chief Secretary K. Vijayanand on Friday reviewed the arrangements for the Prime Minister's visit with the officials of the concerned departments through a video conference from the State Secretariat on Friday. The Prime Minister is scheduled to lay the foundation for the South Coast Railway Zone in Visakhapatnam.PM Modi will also virtually lay the foundation for the NTPC Integrated Green Hydrogen Hub in Pudimadaka of Anakapalle district. The NTPC will invest Rs 65,370 crore in this project under three phases, according to an official release by the state government. The Prime Minister will also virtually launch the

Krishnapatnam Industrial Hub.

This project, worth Rs 1,518 crore, will be set up on 2,500 acres in the first phase. The project will provide employment opportunities to about 50,000 people. Similarly, the foundation of Bulk Drug Park, which will be set up in Nakkapalli at a cost of Rs 1,876.66 crore on an area of 2,001.8 acres, will be laid virtually. With an investment of Rs 11,542 crore in this park, 54,000 people will get employment opportunities. The Prime Minister will reach the port city in the evening and will hold a road show from Sampath Vinayaka Temple to the Andhra University Engineering College grounds, where he will address a public meeting. The Chief Minister directed the officials of the relevant departments to make fool-proof arrangements for the Prime Minister's visit. Orders have already been issued by the General Administration Department regarding the steps to be taken by the departments concerned.He instructed the Visakhapatnam District Collector and Police Commissioner, as well as the officials of the concerned departments, to make all necessary arrangements. He clarified that the minute-to-minute program regarding the Prime Minister's visit is yet to be finalized, and in the meantime, the arrangements to be made in terms of various departments should be taken up on a war footing. As numerous people and public representatives will come to participate in the road show as part of the Prime Minister's visit, necessary steps should be taken for parking their vehicles. In view of the Prime Minister's visit in the evening, the Chief Secretary directed the officials of the Electricity and Municipal departments to install appropriate electric lights at the road show, as well as the venue and various parking places.

K'taka: Cop Caught In Compromising Position With Woman At Office Washroom; Suspended

The Tumakuru: Karnataka Police have suspended the Deputy Superintendent of Police (DSP) posted with the Madhugiri subdivision, who was allegedly caught on camera in a compromising position with a woman in his office washroom on Friday. The office of the Karnataka Director General of Police (DGP) has issued the suspension orders of P. DSP Ramac handrappa in connection with the incident.A video showing the officer in uniform "romancing" the woman has gone viral on social media in the state, raising serious concerns. According to sources, the victim, a woman came into contact with the DSP from



Madhugiri town, in connection with a land dispute complaint. The victim from Pavagada town approached the police, and the DSP allegedly exploited his position to coerce her into an intimate act. The police officer reportedly took the woman, who had come to complain, to his office washroom to commit the act.It is suspected that a relative accompanying

the woman secretly recorded the incident and circulated the video online. The 35-second footage showed the officer in uniform and the woman noticing a mobile phone recording through a window. It showed an intimate act of the senior police officer in uniform. The video also showed the woman noticing the mobile phone at the window. The inci-

town falls within Tumakuru district, the native of State Home Parameshwara. Following the video's release, the DSP has reportedly gone missing. However, the Police Department has yet to give an official statement about the incident.It is not known whether the woman has filed a complaint against the DSP. The police are waiting for orders from senior officials for further action in connection with the incident. The sources also claimed that the DSP used to indulge in obscene acts with the woman whenever she visited his office in connection with the case.

dent has raised further

concerns as Madhugiri

Centralized Pension Payments System Fully Rolled Out in All Regional Offices of EPFO Across India

NEWDELHI: In a landmark move towards enhancing pension services, EPFO completed the fullscale rollout of the new Centralized Pension Payments System (CPPS) under the Employees' Pension Scheme 1995 in December 2024. About Rs. 1570 Crore pension was disbursed to more than 68 Lakh pensioners pertaining to all 122 pension disbursing Regional offices of EPFO for December 2024. The first pilot of the Centralized Pension Payment System (CPPS) was successfully completed in October 2024 in Karnal, Jammu and Srinagar Regional Offices with the pension disbursement of about Rs 11 Crore to more than 49,000 EPS Pensioners. The second pilot was taken up in November 2024 in 24 Regional Offices in which around Rs. 213 crores pension was disbursed to more than 9.3 lakh pensioners. Announcing the successful rollout, Union Minister Dr Mansukh Mandaviya said, "The full-scale implementation of the Centralized Pension Payments System (CPPS) across all Regional Offices of EPFO is a historic milestone. This transformative initiative empowers pensioners to access their pension seamlessly from any bank, any branch, anywhere in the country. It eliminates the need for physical verification visits and simplifies the pension disbursement process. CPPS is a testament to our commitment to modernizing EPFO services and ensuring convenience, transparency, and efficiency for our pensioners. With this rollout, we are setting a new benchmark in pension service delivery, aligning with the vision of a tech-enabled and member-centric EPFO."

Committed To Make India A Chip Manufacturing Hub, Prepare Skilled Workforce: Ashwini Vaishnaw

tral government is committed to transforming India into a leading hub for semiconductor manufacturing, while preparing a skilled workforce that meets the evolving demands of the industry, Union Railways and Electronics and IT Minis-Ashwini ter, Vaishnaw, said here on Friday. After inaugurating the National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT), deemed to be a university at 12 locations including five locations in the northeastern states, the minister said the university is set to play a crucial role in equipping students with the necessary skills to thrive in a rapidly changing technological environment.He added that now the meaning of northeast

Guwahati: The Cen-



is "New Engine", to lead the development and growth of the country. At the event, a memorandum of understanding (MoU) was also signed between NIELIT and Tata Electronics Private Ltd (TEPL) to collaboratively enhance the semiconductor skilling ecosystem in India.The MoU was signed by Dr M.M. Tripathi, Director General, NIELIT and Dr Randhir Thakur, CEO and MD, TEPL. The partner-

ship aims to establish skill centres, develop diploma and certification programmes and conduct workshops in semiconductor ATMP (Assembly, Testing, Marking, and Packaging) technologies.TEPL will offer technical expertise and internship opportunities, while NIELIT will focus on education, training, and outreach. Both organisations will also jointly pursue research and funding initiatives, with a spe-

cial emphasis on creating opportunities in the northeastern region, said the government. The minister announced the launch of NIELIT University, highlighting that it is inspired by the vision of the Prime Minister to prepare professionals in cutting-edge fields such as Semiconductor Manufacturing, Artificial Intelligence, Industry 4.0, and Quantum Computing. Vaishnaw said the new campus of NIELIT will be developed Jagiroad town near Guwahati, which will focus on semiconductor manufacturing and electronics manufacturing.Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma reiterated Prime Minister Narendra Modi's vision of a future where the entire world will rely on semiconductor chips that are "Made in India" and "Made in Assam."He emphasised the significant potential for the semiconductor industry to thrive in the region, highlighting the necessity for a skilled workforce and trained manpower to support this growing sector."This underscored the commitment to fostering local talent and creating job opportunities, ensuring that Assam plays a pivotal role in the global technology landscape," said Sarma.

Minister

PM Modi Inauurates **SWabhiman** Apartments

NEWDELHI: Prime Minister Narendra Modi on Friday inaugurated the 1,675 newly constructed flats for the dwellers of JJ clusters and handed over keys to eligible beneficiaries at Swabhiman Apartments in Ashok Vihar, Delhi.The inauguration of newly constructed flats marks the completion of the second successful In-Situ Slum Rehabilitation Project by the Delhi Develop-Authority ment (DDA). The objective of the project is to provide the residents of the JJ clusters in Delhi with a better and healthier living environment equipped with proper amenities facilities. For every Rs 25 lakh spent on the construction of a flat by the central government, the eligible beneficiaries pay less than seven per cent of the total amount, comprising Rs 1.42 lakh as a nominal contribution and Rs 30,000 for five years of maintenance.

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अभय सिंह सैनी द्वारा आर डी प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स (प्राइवेट) लिमिटेड A -24 सेक्टर 8 नोएडा से मुद्रित एवं नियर शिव मेंदिर ग्राम बैंसी (204) नूंह हरियाणा से प्रकाशित संपादक: अभय सिंह सैनी आर एन आई नंबर : HARBIL/2022/87426 (प्रकाशित लेखों के लेखकों की राय से संपादक या प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं) किसी भी वाद विवाद की स्थिति में जिला नूंह न्यायलय ही मान्य होगा

8

Sheldon Jackson Announces Retirement from White-Ball Cricket

NEWDELHI: Prolific Saurashtra batterwicket-keeper Sheldon Jackson on Friday announced his retirement white-ball cricket.Jackson played 86 List A matches, scoring 2792 runs with nine hundred and 14 half-centuries, with a highest score of 150 not out, while also taking 42 catches. The 38-yearold played 84 T20 matches, scoring 1812 runs with one 100s and eleven fifties, with a highest score of 106 not out. Jackson played a pivotal role in Saurashtra's title triumph in the 2022-23 Vijay Hazare Trophy, scoring 297 runs in 10 matches@49.50, with one hundred and one fifty. "I'll continue to play red-ball cricket," Jackson told TOI from Rajkot."Sheldon was always an integral part of Saurashtra in all the formats of the game. I have seen his passion



and dedication to cricket from a very young age. He has always craved better performances and continued making remarkable achievements. Sheldon has been one of the standout performers in the shorter formats of the game. He has consistently delivered strong performances in List A and T20 cricket, showcasing his ability to excel across different formats. I sincerely appreciate his valued contributions to white-ball cricket," former BCCI and Saurashtra Cricket Association secretary Niranjan Shah said.Jaydev Shah,

president of Saurashtra Cricket Association, said, "I would like to extend my deep gratitude to Sheldon as he has announced his retirement from white-ball Cricket. His dedication, hard work and exceptional performances over the years have made him a key player for Team Saurashtra. His commitment and passion for cricket in each format have been a true testament to the spirit of the game. As he bids a farewell to the white-ball formats, his contributions shall continue to echo and keep inspiring countless budding cricketers."

Para-Shuttler Manisha Ramadass Eyes LA '28 Gold After Arjuna Award Recognition

Tiruvallur (T.N): Indian para-badminton player Manisha Ramadass has been selected to receive the prestigious Arjuna Award, the secondhighest sporting honour of India, for her bronze medal at the 2024 Paris Paralympics. The 19year-old will take the honour as motivation as she aims to win the gold at the 2028 Paralympic Games in Los Angeles. Manisha won her maiden bronze medal in the Paralympic Games defeating Denmark's Cathrine Rosengren 2-0 (21-12, 21-8) in the third-place match in the Women's Singles SU5 category. Her victory ensured that India had a double podium finish with compatriot Thulasimathi Murugesan bagging the silver medal. Reacting to being awarded the Arjuna Award, Manisha said she was very happy to get the prestigious



to receive the award. I dedicate this honour to my parents, coaches, central government, and state government because without their support I could not have been here. They have supported me throughout my journey," she told IANS in an interview on Friday. "This award will motivate me to achieve more things in the future. My next big goal is to win the gold at the Los Angeles

award will motivate me to achieve it," Manisha told IANS.Manisha's 0-2 (21-23, 17-21) loss against No.1 seed Thulasimathi in the semifinal saw her fall out of gold medal contention and battling for third place. The 19-year-old defeated Japan's Mamiko Toyoda 2-0 (21-13, 21-16) in the quarterfinals after finishing second in Group C. Her only loss in the Group Stage came

Qiuxia Yang of China.In the SU5 category, the players have impairment of the upper limbs. The impairment could be on the playing or non-playing hand. The Ministry of Youth Affairs and Sports on Thursday named 32 recipients for the Arjuna Award, given for "good performance over a period of the previous four years and for showing qualities of leadership, sportsmanship and a sense of

dler Jyothi Yarraji, javelin thrower Annu Rani, Nitu, Saweety, Vantika Agrawal, women's hockey team captain Salima Tete, Olympic bronze medallists in men's hockey Abhishek, Sanjay, Jarmanpreet Singh, Sukhjeet Singh, paraarcher Rakesh Kumar, Preeti Pal, Jeevanji Deepthi, Ajeet Singh, Sachin Sarjerao Khilari, Dharambir, Pranav Soorma, H. Hokato Sema, Simran, Navdeep, parashuttlers Nitesh Kumar, Thulasimathi Murugesan, Nithya Sre Sumathy Sivan, Manisha Ramadass, Kapil Parmar, Mona Agarwal, Rubina Francis, Swapnil Suresh Kusale, Sarabjot Singh, Abhay Singh, Sajan Prakash and Aman Sehrawat.

discipline". The Arjuna

Award list includes hur-

Former India Hockey Coach Jagbir Singh Hospitalised After Suffering A Heart Attack

Rourkela (Odisha): Former India forward and hockey coach Jagbir Singh suffered a massive heart attack and was admitted to a hospital here on Friday. Two-time Olympian Jagbir is in Rourkela for the Hockey India League with Team Gonasika. Jagbir, who was employed with Air India before retiring a few years back, was rushed to the hospital immediately and his condition is reported to be stable. The 59-year-old Jagbir Singh, who was born in a Sikh family in Agra, Uttar Pradesh, represented India in the 1988 Olympics in Seoul and then the 1992 Games in Barcelona. He played for India between 1985 and 1996, winning a bronze medal in the 1986 Asian Games in Seoul and a silver in the 1990 edition in Beijing. In all, he earned 175 international caps. A top forward of his time, Jagbir coached the Indian men's team in the 2004 Olympic Games in Athens and also worked as a renowned commentator since the 1990s.

I Wasn't In Frame Of Mind To Take Charge, Says Pant On His Defensive Knock

Sydney: India wicketkeeper-batter Rishabh Pant reflected on his defensive of 40 off 98 balls in the fifth Test against Australia on Friday and said he was not in the mindset to take charge of the game. Pant came to bat at No. 5 when India were already reeling at 57/3 in the opening session of the day. Playing according to the demand of the match, Pant took defensive guard and also suffered blows on his body on the green-top Sydney Cricket Ground pitch. "Definitely, it's painful but sometimes you've to do the hard work for the team and that's okay. Not thinking too much about where I got hit. I was just playing the ball to the best of my abilities and that's the only thing I can do and that's what I did," Pant said after the end of play. "This is the first time I've got hit so much (on the body). In cricket, you can't plan anything. Everything happens for the first time at some point of time in your career. That was me today, not thinking about it too much.

"In this innings I was not in a frame of mind where I wanted to take charge of the game because the wicket was doing too much and the kind of situation we're in. While playing inside, I felt like I could play a little bit of defensive cricket. Yes, there's a time to attack but you have to feel that from inside," he added. Commenting on the nature of the pitch, Pant admitted it was difficult to bat on while also acknowledging the need to adjust to the conditions. "I think it should remain the same hopefully for us.

KKFI Unveils Trophies and Mascots for Inaugural Kho Kho World Cup

New Delhi: The Kho Kho Federation of India (KKFI) has unveiled the trophies and mascots for the first-ever Kho Kho World Cup, set to take place from January 13 to 19 at the Indira Gandhi Indoor Stadium. This historic event will feature teams from 24 countries, showcasing the sport's growing global appeal. The World Cup will present two distinct trophies: a blue trophy for the men's championship and a green trophy for the women's event. The blue trophy symbolizes trust, determination, and universal appeal, while the green trophy represents growth and vitality. Both trophies feature intricate crystal detailing and flowing curves,



embodying the spirit of Kho Kho. In addition to the trophies, KKFI introduced the official mascots, Tejas and Tara, a pair of gazelles. Tejas, symbolizing brilliance and energy, and Tara, representing guidance and aspiration, are depicted in vibrant blue and orange attire adorned with traditional Indian motifs. These mascots highlight the sport's core

attributes of speed, agility, and teamwork. Sudhanshu Mittal, president of KKFI, expressed gratitude to all stakeholders supporting the inaugural edition of the Kho Kho World Cup. "This World Cup marks a watershed moment for Kho Kho, transforming our indigenous sport into a global phenomenon," he said. The event will be live-

streamed on Disney+ Hotstar and broadcast on DD Sports, making it accessible to a wide audience.

The tournament, organized under the aegis of the Sports Authority of India (SAI), will feature 21 men's and 20 women's teams from six continents. MS Tvagi, general secre tary of KKFI, emphasized the World Cup's potential to unite diverse cultures through sport and set new benchmarks in sporting excellence. The Kho Kho World Cup aims to elevate the sport to new heights and pave the way for its inclusion in future international sporting events, including the Olympics.

5th Test: Relentless Boland Picks 4 As Australia Bowl Out India For 185

Sydney: A relentless Scott Boland proved to be India's nemesis yet again by picking a four-wicket haul as Australia bowled out India for a paltry 185 on day one of fifth Test at the Sydney Cricket Ground on Friday. Electing to bat first on a grassy pitch backfired for India, as they suffered another first-innings failure to be dismissed for a score below 200 for the fifth time in the ongoing series. Apart from Boland's 4-31, Mitchell Starc took 3-49 while skipper Pat Cummins chipped in with two scalps as Australia's fast bowlers took nine wickets in a an accurate bowling performance. On a cloudy morning, India left out captain Rohit Sharma, with Jasprit Bumrah replacing him at the helm. In the morning, Starc and Cummins got some steep bounce on the green SCG pitch, which has shown signs of being on the slower side.KL Rahul initially showed good judgement to balls outside the off-stump, but fell for four off 14 balls after chipping a half-volley on leg-stump to square leg off Starc. Boland struck with his fourth ball in India's eighth over when he got to nip one away and extracted an outside edge of Jaiswal's bat, which was safely caught by debutant Beau Webster at third slip, as the opener fell for 10 off 26 balls. The seamer almost got his second wicket on the bounce when he found Virat Kohli's outside edge, and Steve Smith dived across to catch to his right at second slip.

ISL 2024-25: Precise Passers Odisha Meet Defensive FC Goa As Both Try To Build Momentum

Bhubaneswar: FC Goa take on Odisha FC in an away match of the Indian Super League (ISL) 2024-25 at the Kalinga Stadium here on Saturday with both teams hoping to build on their current form and boost their position the points table with three points.FC Goa are enjoying a strong campaign with a solid current unbeaten streak in away games (6), while Odisha FC are seeking their first-ever win against the Gaurs in ISL history. However, the home team enters the fixture in high spirits, having won thrice and



drawn twice in their previous five matches. FC Goa better them in this aspect since they have emerged victorious in four out of their last five ISL encounters. The

Gaurs are placed third in the standings with 22 points from 12 matches, and the Juggernauts are positioned sixth with 20 points from 13 games.Odisha FC will be eager to break their duck against the Gaurs and register their first victory in this rivalry, which will be a significant feat for their head coach Sergio Lobera,

who previously used to be at the helm of FC Goa. The two teams present contrasting styles and fortunes. Odisha have been accurate in passing, boasting the second-highest pass completion (81.3%) this season, while FC Goa depend on their defensive solidity, especially since Sandesh Jhingan's return, conceding only four goals in their last six games.So, will Odisha FC finally secure a win against the Gaurs, or will FC Goa reaffirm their superiority? The encounter at the Kalinga Stadium is expected to give a clear indication of that on Saturday. The Juggernauts have recorded a 49% success rate in winning aerial duels this season, significantly higher than the 43.8% of FC Goa. Mourtada Fall, who has won 34 aerial duels, has been pivotal in Odisha FC winning their battles in the air, particularly inside both the defensive and attacking boxes. However, Odisha have struggled for goals. They have played out two goalless draws this season (vs Mumbai City FC on Dec 5 and vs Mohammedan SC on Dec 27).